

//-- सुविचार --//		
पढ़ो लिखो लड़ो हँसो रोओ कुछ भी करो, लेकिन जो सपना देखा है हर हाल में उसे पूरा करो।		
सूर्योदय		
उदय : 5.02 प्रातः		
अस्त : 6.35 संध्या		
प्रदेश का मौसम		
स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	39.0	27.0
जमशेदपुर	39.0	29.0
रामगढ़	43.2	32.2
डालटनगंज	44.0	31.0



शेयर बाजार में मचा कोहराम

नयी दिल्ली : सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार की शुरुआत खराब रही और दोनों इंडेक्स भारी गिरावट के साथ खुले। जैसे-जैसे दिन बढ़ता गया यह गिरावट और भी बढ़ती गई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1457 अंक फिसलकर 52,847 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 427 अंक की गिरावट लेते हुए 15,774 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले बीएसई का सेंसेक्स 1200 अंक टूटकर खुला था, वहीं एनएसई के निफ्टी सूचकांक ने 16,000 के स्तर के

सेंसेक्स 1450 अंक से ज्यादा टूटा

नीचे कारोबार शुरू किया था। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1700 अंक तक टूट गया था। सोमवार को आयी गिरावट के कारण एक झटके में निवेशकों के छह लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूब गए। इससे पहले एनएसई का निफ्टी 276 अंक की कमी के साथ 16,202 के स्तर पर बंद हुआ था।



शेयर बाजार गिरावट के साथ खुलकर अंत में जोरदार गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ था। बीएसई का सेंसेक्स 1017 अंक फिसलकर 54,303 के स्तर पर बंद हुआ था, जबकि

बाजार में गिरावट के बड़े कारण अमेरिका में महंगाई दर बढ़ने, अमेरिकी वायदा कारोबार में कमजोरी, डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट एवं चीन में फिर कोरोना की मार बताये जा रहे हैं। भारतीय मुद्रा रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार गिरती जा रही है। सोमवार को पहली बार रुपया 28 पैसे टूटकर 78 के स्तर को पार कर गया। डॉलर के मुकाबले रुपया 78.20 पर खुला और इसमें गिरावट बढ़ती गई और जल्द ही यह 78.29 के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा घरेलू महंगाई का दबाव भी शेयर बाजार पर नजर आ रहा है।

नेशनल हेराल्ड मामले. प्रवर्तन निदेशालय ने की सवालों की बौछार

धनशोधन मामले में राहुल गांधी से इडी की पूछताछ

●तीन घंटे की पूछताछ के बाद लंच ब्रेक में मां सोनिया से मिले ●दूसरे दौर की पूछताछ देर रात तक जारी

नयी दिल्ली : नेशनल हेराल्ड केस मामले में राहुल गांधी से इंडी की पूछताछ शुरू हो गयी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी नेशनल हेराल्ड से जुड़े कथित धनशोधन मामले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (इंडी) के समक्ष पेश हुए और जांच एजेंसी द्वारा उनसे पूछताछ जारी है। अधिकारियों ने बताया कि राहुल गांधी सुबह करीब 11:10 बजे एपीजे अब्दुल कलाम रोड स्थित इंडी के मुख्यालय पहुंचे और करीब 20 मिनट तक कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने और उनकी उपस्थिति दर्ज करने के बाद उनसे पूछताछ की गयी। राहुल गांधी को दोपहर करीब दो बजकर 10 मिनट पर भोजन के लिए इंडी मुख्यालय से बाहर जाने की इजाजत दी गयी थी। भोजनावकाश के बाद वह दिन में करीब तीन बजकर 30 मिनट पर फिर इंडी के समक्ष पेश हुए। समझा जाता है कि राहुल गांधी ने धनशोधन रोकथाम कानून की धारा 50 के तहत अपना बयान लिखित रूप से दिया।

पहले दौर में तीन घंटे तक पूछताछ के बाद लंच ब्रेक दिया गया। लंच ब्रेक में राहुल गांधी सर गंगा राम अस्पताल पहुंचे, जहां उनकी मां सोनिया गांधी भर्ती हैं। कांग्रेस नेता से पूछताछ की और कई अहम सवालों पर जवाब मांगा। इस दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने पूछा कि आखिर उन्हें कैसे यंग इंडिया और एजेएल की डील से फायदा हुआ। इसके अलावा राहुल गांधी से एजेंसी के अधिकारियों ने पूछा कि आपकी यंग इंडिया में क्या भूमिका थी और आप कैसे कंपनी के शेयरहोल्डर बने थे। यंग इंडिया लिमिटेड में राहुल गांधी की 38 फीसदी हिस्सेदारी है। दूसरे दौर की पूछताछ देर रात तक जारी थी।



राहुल के साथ पहुंचे कई कांग्रेसी नेता

सुबह में पूछताछ के लिए राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय से इंडी दफ्तर पहुंचे। इस मौके पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्वा समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे और राहुल गांधी के प्रति अपना समर्थन जताया। राहुल गांधी का काफिला जब इंडी मुख्यालय पहुंचा तो गाड़ी में उनके बगल में प्रियंका गांधी भी बैठी हुई थीं।

वित्तीय अनियमितता की जांच

अधिकारियों के अनुसार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और गांधी परिवार से पूछताछ इंडी की जांच का हिस्सा है, ताकि यंग इंडियन और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के हिस्सेदारी पैटर्न, वित्तीय लेन-देन और प्रवर्तकों की भूमिका को समझा जा सके। यंग इंडियन के प्रवर्तकों और शेयरधारकों में सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी सहित कांग्रेस के कुछ अन्य सदस्य शामिल हैं। समझा जाता है कि मामले से जुड़े सहायक निदेशक स्तर के एक इंडी अधिकारी ने यंग इंडियन की स्थापना, नेशनल हेराल्ड के संचालन और धन के कथित हस्तांतरण को लेकर सवालों की सूची सामने रखी। यंग इंडियन में कथित वित्तीय अनियमितताएं भी जांच के दायरे में हैं।

इंडी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन



इंडी के खिलाफ प्रदर्शन करते कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता।

(समाचार पृष्ठ 12 पर)

असिस्टेंट डायरेक्ट लेवल के अधिकारियों ने की पूछताछ

राहुल गांधी से असिस्टेंड डायरेक्टर लेवल के अधिकारी ने पूछताछ की, जबकि पूरी प्रक्रिया डिप्टी डायरेक्टर और जॉइंट डायरेक्टर की निगरानी में हुई। इसके अलावा एक अधिकारी पूछताछ के दौरान राहुल गांधी के जवाबों को टाइप करता रहा। यह पहला मौका है, जब राहुल गांधी से इस तरह पूछताछ की गयी है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी एजेंसी ने 23 जून को पूछताछ के लिए बुलाया है।

रांची हिंसा मामले में देर रात तक ताबड़तोड़ छापामारी जारी

5 उपद्रवी गिरफ्तार दो दर्जन हिरासत में

वरीय संवाददाता

● नगड़ी व बेड़ो तक पहुंची छापामारी टीम



रांची : राजधानी में शुक्रवार को घटी हिंसात्मक घटना में विशेष अनुसंधान दल के द्वारा अबतक कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों के नाम मो आरिफ उर्फ रिंकु खान (मनी टोला, डोरंडा), बेलाल अंसारी (नोम चौक, डोरंडा), मो अश्फाक मंसूर (परस टोली, डोरंडा), मो अनिश (पहाड़ी टोला, सुखदेव नगर) और मो दानिश खान (अपर हटिया, जगन्नाथपुर) शामिल हैं। वहीं पुलिस अस्पताल में इलाजरत नामजद अभियुक्त शहनवाज (कुर्बान चौक, हिंदपीढ़ी), मो उस्मान (इस्लाम नगर, लोअर बाजार), मो तबारक (गुदड़ी चौक, लोअर बाजार), अफसर आलम (कलाल टोली, लोअर बाजार), सरफराज आलम (रेराज लॉज, हिंदपीढ़ी) और सबीर अंसारी (इस्लाम नगर, लोअर बाजार) के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई कर रही है। अभी तक डेली मार्केट, कोतवाली, डोरंडा, हिंदपीढ़ी और लोअर बाजार थाना के द्वारा कुल 155 लोगों पर 107 के तहत पुलिस ने निरोधात्मक कार्रवाई की है।

रांची में हुए हिंसा मामले पर राज्यपाल गंगीर

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। रांची में दस जून को प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और उपद्रव मामले को लेकर राज्यपाल रमेश बैस ने गंभीरता से लिया है। राज्यपाल ने सोमवार को डीजीपी नीरज सिन्हा, एडीजी ऑपरेशन संजय आनंद लाटकर, उपायुक्त छवि रंजन और एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा को राजभवन तलब किया है। सोमवार दोपहर तीनों अधिकारी राजभवन पहुंचे थे। तीनों

केन्द्र ने राज्यपाल से मांगी है रिपोर्ट

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रांची में हुई हिंसक घटनाओं पर सख्त रुख अपनाया है। मंत्रालय ने पूरे मामले पर झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस से पूरी रिपोर्ट मांगी है। रांची हिंसा में शामिल लोगों को चिह्नित करने को कहा गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सारी स्थिति पर राजभवन से रिपोर्ट तलब की है।

राज्यपाल ने इससे पहले भी डीजीपी को फोन कर घटना में शामिल लोगों को शीघ्र गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था। इतना ही नहीं, राज्यपाल रमेश बैस ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी फोन कर घटना की जानकारी ली थी।

आतंक रोधी अभियानों के दौरान बीते पांच माह में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी

कश्मीर में ढेर हुए 100 आतंकी

श्रीनगर : सुरक्षा बलों ने इस साल अब तक आतंक रोधी अभियानों के दौरान कश्मीर में 100 आतंकियों को मार गिराया है। इसमें लश्कर-ए-तैयबा संगठन के 63 आतंकियों का सफाया किया गया है। मारे गए आतंकियों में 71 स्थानीय और 29 विदेशी आतंकवादी थे। पिछले साल इसी अवधि के दौरान मारे गए आतंकियों की संख्या से दोगुना है। उन्होंने बताया कि पिछले साल पहले पांच महीनों और 12 दिनों में

- लश्कर-ए-तैयबा संगठन के 63 आतंकियों का सफाया किया गया
- मारे गए आतंकियों में 71 स्थानीय और 29 विदेशी आतंकवादी



आतंक विरोधी अभियानों में एक विदेशी सहित 50 आतंकवादी मारे गए थे। मारे गए आतंकवादियों में 63 लश्कर-ए-तैयबा से और 24 जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे। आईजीपी कश्मीर विजय

कुमार ने बताया कि कश्मीर में जब तक एक भी आतंकी सक्रिय है, आतंकियों के खिलाफ अभियान जारी रहेंगे। आतंकियों को हम आम समर्पण का पूरा मौका देते हैं। उन्होंने बताया कि 45 आतंकी पहली अप्रैल 2022 से 12 जून 2022 की शाम तक अलग अलग मुठभेड़ों में मारे गए हैं। उन्होंने बताया कि अधिकांश आतंकी दक्षिण कश्मीर में ही मारे गए हैं।

उन्होंने बताया कि मारे गए अन्य आतंकियों का संबंध कश्मीर टाइगरर्स, अल-बदर और हिजबुल मुजाहिदीन से था। उन्होंने बताया कि कश्मीर घाटी में श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा की वार्षिक तीर्थयात्रा को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के अभियान के तहत आतंकियों व उनके पूरे नेटवर्क के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।

सियासत.

इंडी के सवालों की बौछार झेल रहे कांग्रेस को नहीं मिला विपक्षी दलों का साथ

एक ट्वीट तक नहीं, अकेले पड़े राहुल गांधी

नयी दिल्ली : नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (इंडी) के अधिकारियों के सवालों को झेल रहे कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को विपक्ष का साथ नहीं मिला। सोमवार को जब राहुल से पूछताछ चल रही थी तो उस वक्त उनकी बहन एवं पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी अपने नेताओं का हालचाल जानने पुलिस स्टेशन में पहुंची थीं। दोपहर दो बजे तक देश के दर्जनभर दलों के प्रमुख नेताओं ने राहुल के समर्थन में ट्वीट करने से भी गुरेज किया। अगर कांग्रेस पार्टी को छोड़ दें तो राहुल अकेले पड़ गये। राहुल गांधी के इंडी दफ्तर में पहुंचने से पहले पार्टी महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने एक प्रेसवार्ता में मोदी सरकार के खिलाफ नयी क्रांति का जिक्र किया था। जैसे ही राहुल से पूछताछ शुरू हुई तो कांग्रेस पार्टी की नयी क्रांति, 'एकला चलो' की राह पर जाती हुई नजर आयी।



अखिलेश का दिया था साथ

साल 2019 में जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम कथित खनन घोटाले में आया तो कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं ने उनके समर्थन में बयान जारी किया था। विपक्षी दलों ने उस मामले में सीबीआई को आड़े हाथ लिया। खुद अखिलेश ने ट्वीट करते हुए लिखा, दुनिया जानती है इस खबर में हुआ है मेरा जिक्र क्यों, बदनीयत है जिसकी बुनियाद उस खबर से फिक्र क्यों। बसपा के सतीश मिश्र, कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने केन्द्र सरकार की आलोचना की थी। जब पश्चिम बंगाल में सीबीआई टीम को बंधक बनाया गया तो भी देश के प्रमुख विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की आलोचना की थी।

किसी विपक्षी नेता ने नहीं किया ट्वीट

राहुल गांधी से पूछताछ के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव का कोई ट्वीट सामने नहीं आया। बसपा प्रमुख मायावती, शिवसेना, राजद नेता एवं पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के पुत्र तेजस्वी यादव, टीएमसी प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर बादल, एनसीपी नेता शरद पवार, केरल के सीएम, तेलंगाना में टीआरएस, डीएमके नेता एवं तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन, जेडीयू नेता एवं बिहार के सीएम नीतीश कुमार, शरद यादव, आंध्र प्रदेश के सीएम वईएस जगन मोहन रेड्डी, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल आदि में से कोई भी दोपहर दो बजे राहुल गांधी को लेकर ट्वीट नहीं किया।

भाजपा की राह होगी आसान

राहुल गांधी से इंडी पूछताछ कर रही है और विपक्षी दल मौन हैं। दरअसल, विपक्ष को एकजुट करने के लिए अभी तक कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। खुद के कुनबे में फूट है। पार्टी में किसी को यह नहीं मालूम है कि चलती किसकी है-सोनिया गांधी, राहुल गांधी या प्रियंका गांधी? इस हाल में विपक्षी दल कांग्रेस पर कैसे भरोसा करें। वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक रशीद क़िदवाई कहते हैं, प्रभावी रणनीति तैयार करने में कांग्रेस पार्टी पीछे रह जाती है। इससे भाजपा की राह आसान होगी।

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस का धरना, राज्यपाल को सौंपा झापन

बैनर-पोस्टर के साथ विरोध प्रदर्शन

रांची। नेशनल हेराल्ड केस में पूछताछ के लिए राहुल गांधी को सोमवार को नई दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय बुलाये जाने के खिलाफ देशभर में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इसी क्रम में आज रांची स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने बैनर-पोस्टर के साथ विरोध किया। कांग्रेस का कहना है कि धन शोधन मामले में राहुल गांधी को भेजा गया ईडी का सम्मन निराधार है और ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा नेता या पार्टी द्वारा शासित राज्य इस जांच एजेंसी के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते हैं। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि जितने वक्त तक ईडी राहुल गांधी को पूछताछ के लिए कार्यालय में रेवेगी, कांग्रेस का धरना उतने वक्त तक जारी रहेगा। पार्टी मुख्यालय में



हो रहे इस धरना-प्रदर्शन में प्रदेश के कई नेता, महिला विंग, सेवा दल के कार्यकर्ता उपस्थित थे। राजेश ठाकुर ने कहा है कि ईडी जिस तरह से काम कर रहा है, वह ठीक नहीं है। प्रवर्तन निदेशालय एक स्वतंत्र

एजेंसी है। स्वतंत्र एजेंसी को बिना किसी दबाव के कोई काम करना चाहिए। उसे गुलाम की तरह नहीं, बल्कि न्यायसंगत तरीके से काम करना चाहिए। राजेश ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस हमेशा संवैधानिक

मूल्यों के दायरे में रहकर जवाब देने में विश्वास करती है। इसी कड़ी में आज प्रदेश के सभी जिलों मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया है। राजेश ठाकुर ने कहा कि राजनीतिक

उद्देश्य से किये जा रहे कामों को हम सही नहीं ठहरा सकते। जब-जब भाजपा को हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और हमारे नेता राहुल गांधी से डर प्रतीत होता है, तब-तब भाजपा इस तरह की राजनीति करती है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के इस प्रदर्शन को भाजपा एक चेतावनी भी समझे। झारखंड में पिछले दिनों से चल रहे ईडी की कार्रवाई को लेकर राजेश ठाकुर ने कहा, पहले यह खबर आयी कि जांच में ईडी को 25 करोड़ रुपए मिले। फिर खबर आयी कि 19 करोड़ मिले। फिर ईडी के डिप्टी डायरेक्टर का तबादला कर दिया गया। इससे साफ है कि ईडी खुद अन्तर्द्वन्द्व में है कि वह सही कर रहा है या गलत। इससे यह भी संदेह पैदा करता है कि ईडी राजनीतिक दबाव के तहत काम कर रहा है।

स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के संचालन में एप की मदद

सी-विजिल निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका

रांची। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बनाये गए सी-विजिल (eVigil) एप्प की सहायता से नागरिक अपने आस-पास घटित किसी भी तरह के आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले को ऑडियो, वीडियो अथवा फोटो के रूप में विभाग को सूचित कर सकते हैं। इसपर चुनाव आयोग की टीम 100 मिनट के भीतर संज्ञान लेकर कार्रवाई सुनिश्चित करती है। जैसा कि 'सी-विजिल' का अर्थ ही है सतर्क नागरिक तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के संचालन में नागरिकों द्वारा निभाई जा सकने वाली सक्रिय और जिम्मेदारीपूर्ण भूमिका। आम नागरिक इस सी-विजिल एप्प को गूगल के प्ले स्टोर पर जाकर डाउनलोड कर सकते हैं। इस एप्प को डाउनलोड करने के बाद अपने मोबाईल नंबर को ओटीपी के माध्यम से रजिस्टर करना होता है, फिर इसका जरूरत के अनुसार उपयोग किया जा सकता है। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित मामलों जैसे बंदूक का प्रदर्शन, धमकी देना, भड़काऊ भाषण, गेट न्यूज, मिफ्ट बांटना, मुफ्त परिवहन, फर्जी खबर फैलाना, संपत्ति वितरण, रुपए बांटना, शराब वितरण आदि की शिकायतें हेतु नागरिक सी-विजिल एप्प का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस एप्प पर जैसे ही संबंधित वीडियो, ऑडियो अथवा फोटो को अपलोड करते हैं, उनका लाइव लोकेशन आयोग की विजिलेंस टीम को प्राप्त हो जाता है। इसपर टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए उड़नदस्ता टीम को घटनास्थल पर भेज देती है, जो मामले की जांच करके कार्रवाई करती है। कोई भी सतर्क नागरिक आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले को दर्ज कराने के लिए ईसीआई (ECI) की मुख्य वेबसाइट का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय संपर्क केंद्र 1800111950 एवं राज्य संपर्क केंद्र 1950 पर कॉल कर अपनी शिकायतों से आयोग को अवगत करा सकते है।

मांडर उप चुनाव को लेकर बेड़ो, लापुंग में खुला सीपीएम का चुनाव कार्यालय

सीपीएम प्रत्याशी सुभाष ने किया जनसंपर्क

नवप्रदेश संवाददाता
रांची : मांडर विधानसभा उप चुनाव में प्रत्याशियों का चुनाव प्रारंभ तेज हो गया है। सोमवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) प्रत्याशी सुभाष मुण्डा ने मांडर, बेड़ो, इटकी, लापुंग के दर्जनों गांवों में जनसंपर्क कर अपने पक्ष में वोट करने की अपील की। इसी क्रम में बेड़ो और लापुंग में पार्टी चुनाव कार्यालय खोला गया, जिसका उद्घाटन माकपा प्रत्याशी सुभाष मुण्डा ने किया। इस अवसर पर अपने दर्जनों कार्यकर्ताओं



के साथ बेड़ो बाजार में सुभाष मुण्डा ने पदयात्रा कर मतदाताओं से मांडर विधानसभा उप चुनाव में हसुआ हथौड़ा तारा छाप पर वोट करने के लिए अपील

की। इस अवसर पर सुभाष मुण्डा ने कार्यकर्ताओं व मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि इस बार मांडर विधानसभा में सिर्फ विकास के लिए लोग

वोट करेंगे। सभी को शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के लिए संघर्ष तेज होगा। भ्रष्टाचारियों और बेरोजा देने वालों को मुँहोड़ दिया जाएगा। सामाजिक सद्भाव के लिए लाल झंडा को जिताएंगे। कार्यक्रम में सीपीएम के राज्य सचिवमंडल सदस्य संजय पायवान, ज्ञानी उरांव, महेश मुण्डा, निनोद महतो, अमर उरांव, बुद्धराम उरांव, अशोक मिंज, उदय बारला, आनंद मुण्डा, अजय मुण्डा सहित दर्जनों कार्यकर्ता और समर्थक शामिल थे।

प्रेम प्रकाश से ईडी कर रही है पूछताछ

रांची : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) निर्लांबित आईएएस पूजा सिंघेल मामले में लगातार जांच कर रही है। इसी क्रम में सोमवार को ईडी ने प्रेम प्रकाश को तलब किया है। इसके बाद एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी कार्यालय में प्रेम प्रकाश से ईडी की टीम पूछताछ कर रही है। सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान ईडी की टीम ने प्रेम प्रकाश से कई दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की। साथ ही मोबाइल से मिले कई साथियों के बारे में भी पूछताछ की। उल्लेखनीय है कि प्रेम प्रकाश के ठिकाने पर छापेमारी होने के बाद उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। ईडी ने बीते 25 मई को प्रेम प्रकाश के रांची में तीन, विहार के पटना और सासाराम तथा उत्तर प्रदेश के बनारस में छापेमारी की थी। रांची में अरगोड़ा चौक स्थित वसुंधरा अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 802, अशोक नगर में फिरायालाल के समीप स्थित कार्यालय और हरम्पू हाउसिंग कॉलोनी स्थित आवास में ईडी की छापेमारी की थी। अरगोड़ा चौक के समीप स्थित वसुंधरा अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 802 में ताला लगा हुआ था। इसे दंडाधिकारी की मौजूदगी में ईडी के अधिकारियों ने ताला तोड़कर तलाशी ली थी। इस दौरान ईडी को भारी मात्रा में लेन-देन से संबंधित दस्तावेज हाथ लगे थे।

ग्रामीण विकास विभाग ने की आदर्श ग्राम योजना और मुख्यमंत्री स्मार्ट विलेज योजना की सलीक्षा

आदर्श ग्राम में लंबित योजनाओं को जल्द पूरा करने का निर्देश



नवप्रदेश संवाददाता
रांची : ग्रामीण विकास विभाग के सचिव डॉ. मनोप रंजन की अध्यक्षता में सांसद आदर्श ग्राम योजना एवं मुख्यमंत्री स्मार्ट ग्राम योजना की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। विडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी जिलों के उप विकास आयुक्तों तथा



चाजई ऑफिसर सह प्रखंड विकास पदाधिकारियों ने भाग लिया। रंजन ने निर्देश दिया कि सम्बन्धित उप विकास आयुक्तों अपने-अपने जिले के माननीय सांसदों से प्रति वर्ष एक-एक ग्राम पंचायत का चयन करने हेतु अनुरोध करें। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय समन्वय समिति की कोरोना काल से लंबित बैठकों को शीघ्रता से आयोजित करें और

विचारों एवं आन्दोलन के माध्यम से गलत नीतियों का विरोध करेगी। नरेंद्र मोदी की सरकार प्रातिशोध की भावना से काम कर रही है। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दूबे, पार्टी के वरिष्ठ नेता लाल किशोरनाथ शाहदेव कांग्रेस नेता डॉ. राजेश गुप्ता छेदू खुटी जिला कांग्रेस अध्यक्ष राम कृष्ण चौधरी सहित कई बड़े नेताओं ने धरना को संबोधित किया। इस क्रम में वहां बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के उपरांत खुटी जिला उपायुक्त को झापन भी सौंपा गया। आलोक दूबे ने कहा राजधानी रांची में 144 लागू रहने की वजह से ईडी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन नहीं हो पाया, लेकिन राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर ईडी की कार्रवाई का विरोध किया गया। कार्यक्रम में अम प्रकाश मिश्रा, देवजीत देशधरिया, नईरमईन खान, रवि मिश्रा, देवेन्द्र महतो, लाल किशोर भगत, अमित कुमार नाग, मरियम आदद, मोनिका सिंह टोपनो, पौलुस पूर्ति, मदन मिश्रा, मोहम्मद जमील मुख्य रूप से उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

साक्षी धोनी ने दो सफेद बकरियों का वीडियो इंस्टाग्राम पर किया शेयर



रांची। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के घर दो नन्हा मेहमान आया है। धोनी की वाइफ ने दोनों मेहमान का क्यूट सा वीडियो शेयर किया है। दरअसल यह मेहमान कोई और नहीं बल्कि बकरी के बच्चे हैं.

सोशल मीडिया पर साक्षी का

यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। साक्षी ने इंस्टाग्राम पर जो वीडियो शेयर किया है, उसमें दो सफेद बकरियां नजर आ रही हैं। जो काफी प्यारे और क्यूट लग रहे हैं। वीडियो में एक बकरी कैमरे के सामने आकर पोज देती नजर आ रही है. वहीं दूसरी बकरी पीछे खड़े होकर घास खाने में मगन है। रिपोटर्स की मांनें तो धोनी ने इन बकरी के बच्चों को करीब एक साल पहले गुजरात से लाया था. लेकिन पहले इसे फार्म हाउस में नहीं रखा गया था। महेंद्र सिंह धोनी शुरू से ही पशु प्रेमी रहे हैं। धोनी ने अपने रांची स्थित फार्म हाउस में कई सारे जानवरों को पाला है। इसी कड़ी में इसमें दो बकरियां भी शामिल हो गयी हैं। गौरतलब है कि धोनी के घर में 5 कुत्तों के अलावा 2 घोड़े भी हैं। पिछले साल माही अपने पोनी के साथ दौड़ते नजर आये थे।

रथ मेले को लेकर हाई कोर्ट में जनहित याचिका

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में सोमवार को रथ मेला का आयोजन कराने की मांग को लेकर जनहित याचिका दायर की गयी है। अधिवक्ता धीरज कुमार ने याचिका दायर करते हुए पुरी में होने वाले रथ मेला संसेत क्रिकेट मैच, राजनीतिक सभाओं के आधार पर मेला से रोक हटाने की मांग की। धीरज ने बताया कि याचिका में कहा गया है कि यह मेला ऐतिहासिक है, जो हजारों लोगों के रोजगार से जुड़ा हुआ है। ऐसे में आयोजन किया जाना चाहिए। साथ ही इस पर कोई रोक भी नहीं लगनी चाहिए।

अंजुमन इस्लामिया का चुनाव तीन जुलाई को

रांची। अंजुमन इस्लामिया रांची का चुनाव तीन जुलाई को होगा। अंजुमन इस्लामिया के मुख्य चुनाव संयोजक डॉ सैयद इक़बाल हुसैन ने सोमवार को बताया कि पहले 19 जून को चुनाव होना था ,लेकिन इस तिथि को बढ़ाते हुए तीन जुलाई कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि शहर की मौजूदा स्थिति को देखते हुए समय में बदलाव किया गया है। उन्होंने बताया कि चुनाव के लिए पहचान पत्रों का वितरण 25 जून से 29 जून तक किया जाएगा।

आकांक्षा की परीक्षा 26 जून को

रांची। झारखंड सरकार की ओर से संचालित निःशुल्क कोचिंग आकांक्षा की परीक्षा 26 जून को होगी। इसके लिए प्रवेश पत्र 20 जून से झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की वेबसाइट से डाउनलोड होगा। यह परीक्षा राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में ले जाएगी। जानकारी के अनुसार इस वर्ष से मेडिकल और इंजीनियरिंग के साथ-साथ क्लैट की तैयारी के लिए भी विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। बताया जाता है कि 200 अंकों की परीक्षा ली जाएगी। परीक्षा ओएमआर शीट पर ली जाएगी और सभी प्रश्न बहुविकल्पीय होंगे।

पंचायत भवन निर्माण कार्य का ऑडिट

रांची। कैग के द्वारा जिला परिषद का आधारभूत संरचना,14वें वित्त आयोग एवं पंचायत भवन निर्माण कार्यों की ऑडिट कराया जायेगा. रांची, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम, गिरिडीह, बोकारो,हजारीबाग,तराा और साहेबगंज जिले में ऑडिट करायी जायेगी। पंचायती राज विभाग ने इसके लिए आठ जिला परिषद और इसके अंतर्गत पंचायत समिति व ग्राम पंचायतों को ऑडिट के लिए चर्चनित किया है।

विवि में सिर्फ शैक्षणिक कार्य ही स्वीकार्य : आजसू

रांची : झारखंड छात्र संघ आजसू के सदस्यों ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में वहां की कुलसचिव एवम अधिकारियों द्वारा विश्वविद्यालय में हो रही मरमाने तरीके से कार्य करने के संबंध में झारखंड के महामहिम राज्यपाल रमेश बैश जी को ज्ञापन दिया। प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज वर्मा ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में कुलपति के नहीं होने के कारण यहां की कुलसचिव एवं कुछ अधिकारी पिछले कई महीनों से अपने मनमाने तरीके से विश्वविद्यालय, एवं छात्र विरोधी कार्य कर रहे हैं, जो छात्रहित में नहीं है, क्योंकि ऑडिटोरियम किसी भी अधिकारी



की निजी संपत्ति नहीं है। ऑडिटोरियम में सिर्फ एकेडमिक और शैक्षणिक कार्य ही होने चाहिए। विश्वविद्यालय द्वारा ऑडिटोरियम बनाया गया है, परंतु विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम को

एकेडमिक कार्य एवं छात्रों को न देकर किसी व्यावसायिक बैकवेट हॉल की तरह उसे बाहर के लोगों को वेब सीरीज, कॉमेडी शो एवं अन्य कार्यों के लिए भाड़े पर देकर मोटी रकम वसूल कर रहा है। अगर विश्वविद्यालय प्रशासन ऐसे ही कार्यशैली को अपना कर छात्र विरोधी कार्य करती रही तो आजसू छात्रहित में विश्वविद्यालय की गरिमा को बचाने के लिए प्रचरबद्ध आंदोलन करेगी।

मौके पर विश्वविद्यालय संयोजक अभिषेक झा, प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज वर्मा, विश्वविद्यालय संयोजक अभिषेक झा, सचिव रंजन, प्रेम कुमार, अमन के अलावा कई सदस्य उपस्थित थे।

शहीद वीरेंद्र भगत की पत्नी एवं नवनिर्वाचित जिपस निर्मला भगत आजसू में शामिल

कई मुखिया एवं जनप्रतिनिधि आजसू पार्टी में

नवप्रदेश संवाददाता
रांची। ग्राम पंचायतों को सशक्त करने से ही गांव का विकास होगा। गांव के विकास की जिम्मेदारी पंचायत प्रतिनिधियों की है। केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और मूलभूत विकास के लिए पंचायत प्रतिनिधियों को अधिकारियों के साथ समन्वय बिठाकर कार्य करना होगा। उक्त बातें आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं गोमिया के विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने हरम्पू, रांची स्थित आजसू पार्टी मुख्यालय में आयोजित मिलन समारोह के दौरान कही। मिलन समारोह को संबोधित करते हुए आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने कहा



कि गांव के विकास में पंचायती राज संस्थाओं की मुख्य भूमिका है। पंचायत प्रतिनिधियों को ग्राम सभा को मजबूत करने तथा जन भागीदारी सुनिश्चित कराने हेतु आगे आकर नेतृत्व देना होगा। आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण करते हुए निर्मला भगत ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य गांवों का विकास करना है। साथ ही उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं को दोबारा जीवित करने

तथा सशक्त, शिक्षित एवं संगठित समाज के निर्माण हेतु वे पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। रातू उत्तरी जिला परिषद सदस्य निर्मला भगत, झारखंड आंदोलनकारी एवं मांडर से जिला परिषद सदस्य के पति जगराम कुजूर, परमेश्वर भगत एवं रबूल अंसारी, इटकी जिला परिषद सदस्य संजय गोप, पूर्व मुखिया रीता भगत, तारूप पंचायत समिति सदस्य सलगी उरांव एवं कृष्णा ठाकुर,

तारूप मुखिया बहिलिया कच्छप, वार्ड सदस्य मनबहाल, विमलेश मुंडा, अशोक ठाकुर एवं बंधु महतो, सामाजिक कार्यकर्ता पुष्पा भगत, देवेन्द्र पाहन, शशि उरांव, अनु देवी, मुन्नी देवी, सुनील उरांव, लाला उरांव शामिल थे। साथ ही झारखंड आंदोलनकारी संजीत महतो, आदित्य तिकरी जगराम उरांव ने भी आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

मिलन समारोह में मुख्य रुप से आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव डॉ. लंबोदर महतो, केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, केंद्रीय उपाध्यक्ष हसन अंसारी, महासचिव राजेंद्र मेहता, राँची जिलाध्यक्ष संजय महतो, राँची जिला के कार्यकारी अध्यक्ष हकीम अंसारी एवं भरत काशी साहू, राँची जिला उपाध्यक्ष नुरुल होदा, राँची महानगर अध्यक्ष ज्ञान सिंहा एवं रांची महानगर महिला अध्यक्ष सीमा सिंह, केंद्रीय कार्यालय सचिव बनमाली मण्डल एवं नईम अंसारी, केंद्रीय महिला संगठन सचिव वर्षा गाड़ी, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष पार्वती देवी, अखिल झारखण्ड छात्र संघ के प्रदेश प्रभारी हरीश कुमार एवं प्रदेश अध्यक्ष गौतम सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

मांडर उपचुनाव में भाजपा ने झोंकी ताकत, प्रदेश अध्यक्ष ने प्रचार का संमाला मोर्चा

वंशवाद को उखाड़ फेंकेगी जनता : दीपक

मांडर उपचुनाव प्रचार में बाबूलाल तूफानी दौरा

हेमंत सरकार के लूट का जवाब गंगोत्री को जिताकर दें : बाबूलाल

रंची: मांडर विधानसभा उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेता विधायक दल बाबूलाल मरांडी ने विभिन्न पंचायतों का तूफानी दौरा किया। जनसम्पर्क के दौरान पार्टी कार्यकर्ता और आमजनों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस झामुमो और राजद पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस, जेएमएम एवं राजद के नेतृत्व में झारखंड में विकास कार्य तो नहीं हुआ किंतु सभी दलों ने अपना अपना विकास जरूर किया। सरकार काम करने के लिए नहीं बल्कि कमाने के लिए बनी है। कांग्रेस, जेएमएम और राजद परिवार के लिए राजनीति करते हैं। ऐसे में महागठबंधन को पराजित करना है, भ्रष्ट सरकार को मांडर विधानसभा उपचुनाव में एनडीए की प्रत्याशी गंगोत्री कुजूर को भारी से भारी मतों से जीता कर जवाब देना है।



उन्होंने कहा कि चोरी, डकैती, हत्या, अपहरण की घटनाएं तेजी से बढ़ी है, बहन बेटियों की इज्जत प्रत्येक दिन तार-तार हो रही है। सुरक्षा देने वाले पुलिस नाकाम हो चुके हैं, सुरक्षा देने के बजाय पुलिस सरकार में शामिल लोगों के लिए वसूली करने का कार्य कर रही है। सत्ता में बैठे लोग पुलिस को वसूली कार्य में लगा रखे हैं। इसलिए अपराध भी तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जो सरकार कानून व्यवस्था ठीक नहीं कर सकती ऐसी सरकार को जवाब

देना है। उन्होंने कहा कि ब्लॉक, अंचल, थाने और सरकारी कार्यालयों में बिना पैसे के कोई काम नहीं होता। जाति, आय, आवासीय यहां तक कि मुत्यु प्रमाण पत्र बनाने में भी पैसे लिए जा रहे हैं। उन्होंने एक एक वोट देकर एनडीए के प्रत्याशी गंगोत्री कुजूर को भारी से भारी मतों से जिताने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार के ढाई वर्ष के लूट का जवाब गंगोत्री कुजूर को जीता कर दें।

गांधी परिवार के भ्रष्टाचार को छुपाने के लिये सड़कों पर कांग्रेस : सीपी सिंह



संवाददाता

रंची: भाजपा के वरिष्ठ नेता, विधायक सीपी सिंह ने कांग्रेस पार्टी पर सोमवार को कड़ा हमला बोला। सिंह प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि गांधी परिवार का भ्रष्टाचार को छुपाने के लिये दिल्ली को घेरकर आम जनता को परेशान करने का धिनीना काम कांग्रेस पार्टी ने किया है। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी इस कृत्य की घोर भर्त्सना करती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस एवं राहुल गांधी को देश के समक्ष जवाब देना चाहिये कि 1930 में 5 हजार स्वतंत्रता सेनानियों के शेर से एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड कंपनी समाचार पत्र के प्रकाशन के लिये बनी थी कि नहीं। क्या 2010 में 5 लाख रुपये से यंग इंडियन कंपनी बनाई गई थी जिसमें 76 प्रतिशत की भागीदारी राहुल गांधी और सोनिया गांधी की है या नहीं है? क्या यंग इंडियन के माध्यम से 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा की पूरी संपत्ति जो स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार की थी वो एक गांधी परिवार को सौंप दी गई?

उन्होंने कहा कि यह संपत्ति का टूंसफर पूरी तरह से भ्रष्टाचार का प्रमाण है। कांग्रेस पार्टी के द्वारा यंग इंडियन कंपनी को जनता से चदे के रूप में मिले 90 करोड़ रुपये लेन देकर माफ कर दिए गए। इस कंपनी ने 2016 तक कोई भी चैरिटेबल कार्य नहीं किया। 2019 में दिल्ली हाई कोर्ट ने एंजेएल और यंग इंडियन के बीच इस शेर ट्रसफर को पूरी तरह से भ्रष्टाचार से प्रेरित बताया था।

वाटर फिल्टर इंचार्ज के खिलाफ प्रदर्शन

रामगढ़: सीसीएल के द्वारा पानी सप्लाई की समस्या को लेकर नीचे धौड़ा अरगडा की दर्जनो महिलाओं ने सोमवार को अरगडा वाटर फिल्टर प्लांट पहुंचकर प्रबंधन व वाटर फिल्टर इंचार्ज के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर नारे लगाए। इसके बाद महिलाओं के प्रतिनिधि व क्षेत्र के समाजसेवी सुरज कुमार पासवान उर्फ सिक्की आए दिन पानी की आपूर्ति की समस्या को लेकर वाटर फिल्टर प्लांट इंचार्ज राणा प्रताप सिंह से मिला और महिलाओं ने पानी की समस्याओं को लेकर विस्तृत रूप से जानकारी दी और इंचार्ज को जापन भी सौंपा। महिलाओं ने इंचार्ज से कहा कि पानी पाईप सड़ गया है। जिसके कारण कारण कई जगहों पर पाईप से पानी निकल रहा है। पाईप को मरम्मत या बदलने की जरूरत है। समस्याओं को सुनने के बाद अरगडा वाटर फिल्टर इंचार्ज राणा प्रताप सिंह ने आश्वासन दिया है कि बहूत जल्द ही पानी पाईप को मरम्मत कर पानी की समस्या को दूर किया जाएगा। रोजाना सही ढंग से अरगडा नीचे धौड़ा सहित सभी कॉलोनिyों में सही ढंग से पानी आपूर्ति किया जाएगा ताकि लोगों को पानी की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े ।

रोहित सुरीन प्रमुख, संतोष कर बने उप प्रमुख

खूंटी. तोरपा प्रखंड कार्यालय में सोमवार को गहमा गहमी के माहौल में प्रमुख और उप प्रमुख का चुनाव संपन्न हो गया। एक ओर जहां तोरपा पश्चिमी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य रोहित सुरीन ने आसानी से अपने प्रतिद्वंद्वी कमड़ा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य जय मंगल गुड्डिया को पांच वोटों के अंतर से पराजित कर प्रमुख का ताज अपने नाम कर लिया, वहीं उप प्रमुख का चुनाव काफी दिलचस्प रहा। प्रमुख पद की तीसरी प्रत्याशी पूनम भेंगरा को मात्र तीन वोटों से संतोष करना पड़ा।

उप प्रमुख पद की प्रत्याशी और निर्वर्तमान उप प्रमुख तोरपा पूर्वी पंचायत समिति सदस्य सोफिया सुल्ताना और डोड़मा के पंचायत समिति सदस्य संतोष कर के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। दोनों को सात-सात वोट मिले और परिणाम टाई हो गया। बाद में लॉटरी के माध्यम से चुनाव कराया गया, जिसमें संतोष कर ने बाजी मार ली। इसके पूर्व प्रखंड मुख्यालय के सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी सह



कहते हैं उनके लिए रातु की रुपा तिकी की घटना याद दिलाना चाहता हूं जो मांडर उपचुनाव के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि रुपा तिकी रातु के एक आदिवासी परिवार की होनहार लड़की थी और जब दारोगा बनकर निकली तो उसकी पोस्टिंग साहेबगंज जो मुख्यमंत्री का जिला है और वहाँ पत्थर की अवैध कटाई एवं अवैध व्यापार होता था जिसे उसने रोकने का किया तो उसकी संदेहास्पद मौत हो जाती है और उसकी हत्या

का आरोप मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा तक जाती है।

उन्होंने कहा कि उस समय भाजपा का एक एक कार्यकर्ता रुपा तिकी को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष कर रहा था तो वहां के पूर्व विधायक उसके घर जाकर उसकी मौत का सौदा कर रहे थे और प्रलोभन दे रहे थे कि आप मुँह चुप रखिये हम आपके परिवार को राज्य सरकार से पेट्रोल पंप दिलाने का काम करेंगे।



निवाची पदाधिकारी सैयद रियाज अहमद ने नव निर्वाचित सभी 17 पंचायत समिति सदस्यों को शपथ दिलायी।

इसके बाद प्रमुख पद के लिए चुनाव हुआ, जिसमें तोरपा पश्चिमी पंचायत के रोहित सुरीन प्रमुख और डोड़मा पंचायत के संतोष कर चुने गये। एसडीएम ने दोनों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। चुनाव परिणाम की घोषणा होते ही समर्थकों ने नव निर्वाचित प्रमुख और उप प्रमुख को फूल मालाओं से लाद दिया। बाद में दोनों उम्मीदवारों ने अपने समर्थकों के साथ हिल चौक स्थित भगवान विरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

हताश और निराश दिखी निर्वर्तमान उप प्रमुख लॉटरी के माध्यम से उप प्रमुख चुनाव का परिणाम घोषित किये जाने और अपनी पराजय से तोरपा की निर्वर्तमान उप प्रमुख सोफिया सुल्ताना काफी हताश और निराश दिखी। उन्होंने अपने स्वजनों के साथ पंचायत चुनाव में कड़ी मेहनत की थी और कड़े मुकाबले में पंचायत समिति सदस्य का चुनाव जीत पायी थी। उप प्रमुख के चुनाव में भी वह अपने जीत को लेकर आश्वस्त थी, लेकिन तीन वोट काटकर पूनम भेंगरा ने सोफिया सुल्ताना का खेल ही बिगाड़ दिया।

योग में शामिल होंगे मुंडा

खूंटी. जिले में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऑनलाइन योग सत्र के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के खूंटी के लोग जुड़ सकेंगे। साथ ही स्थानीय स्तर पर आयोजित होनेवाले कार्यक्रम में जिला स्तरीय पदाधिकारी, कार्यालय के पदाधिकारी, कर्मी, प्रखण्ड कार्यालयों के पदाधिकारी—कर्मी, स्कूलों के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर के मुख्य कार्यक्रम में भाग लेंगे। योग दिवस के मौके पर 21 जून को एसएस2 उच्च विद्यालय खूंटी के हॉकी स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय

मंत्री अर्जुन मुंडा उपस्थित होंगे। सोमवार को समाहरणालय मं आयोजित बैठक में उपायुक्त ने सभी उपस्थित शिक्षकों को योग दिवस के सफल संचालन को लेकर अवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ससमय योग दिवस पर बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करें। उपायुक्त द्वारा बताया कि खूंटी जिले में योग दिवस का आयोजन एक स्वर्णिम अवसर है। जिले को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान के साथ-साथ सम्मान दिलाने की दिशा में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। डीसी ने कहा कि स्वस्थ जीवन में योग का बहुत महत्व है। योग से न सिर्फ स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।

आज पुनः शव को खोजने का अभियान

बेड़ो। स्थानीय प्रशासन के पहल पर एनडीआरएफ की टीम सोमवार को करीब एक बजे बेड़ो थाना के करांजी डैम पहुंची। सनद रहे कि नहाने के दौरान रविवार की दोपहर एक युवक विनोद उरांव धोबी घाट जगरनाथपुर निवासी की डुबने से मौत हो गई थी। स्थानीय प्रशासन की ओर से सूचना देने के वावजूद जब दूसरे दिन दोपहर तक एनडीआरएफ की टीम बेड़ो के करांजी डैम नहीं पहुंची तब मृतक के परिजनों सब का बांध टूट गया। इसके बाद मृतक के आक्रोशित परिजनों ने सोमवार को सड़क पर उतरकर स्थानीय प्रशासन से शव



को डैम से बाहर निकालने के लिए शोध ही एनडीआरएफ की टीम बुलाने की मांग किया। वहीं इसकी सूचना मिलते ही बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार और थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता सदल बल परिजनों के पास पहुंचे। पदाधिकारियों के आश्वासन के बाद मृतक के

परिजन पुनः करांजी डैम के पास पहुंचे। इसके बाद पदाधिकारियों के अथक प्रयास से एनडीआरएफ की टीम भी दोपहर करीब एक बजे घटनास्थल पर पहुंची। वहीं एनडीआरएफ टीम की भारी मशक्कत के वावजूद सोमवार को मृतक का शव डैम से बाहर नहीं

जा सका। इधर थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि शाम हो जाने के बाद करीब साढ़े छह बजे एनडीआरएफ की 15 सदस्यीय टीम बेड़ो लौट गई। एनडीआरएफ की टीम सोमवार को बेड़ो में थाना में ठहरेगी। वहीं मंगलवार को सुबह एनडीआरएफ की टीम पुनः करांजी डैम से शव को बाहर निकालने का अभियान व प्रयास शुरू करेगी। वहीं दूसरे दिन शव के बाहर नहीं निकलने से मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। कभी कभी उनके चित्कार और क्रंदन से आसपास का माहौल मगगीन हो जाता था।

ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेसियों ने दिया धरना



खूंटी. नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके पुत्र राहुल गांधी को समन जारी करने और पूछताछ के लिए बुलाये जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को खूंटी समाहरणालय के समक्ष धरना दिया।

वित्त और खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के नेतृत्व में आयोजित धरना सत्याग्रह कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दुबे, लाल किशोरनाथ शाहदेव, डॉ राजेश गुप्ता छोट्ट, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामकृष्ण चौधरी, नईमुदीन खान, ओम प्रकाश मिश्रा, रविकांत मिश्रा सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित थे।

मौके पर डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई में साफ तौर पर विधेय की भावना झलक रही है। ईडी के अधिकारी भी जानते है यह गलत है,

लेकिन वे विवश हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से विपक्षी पार्टियों के नेताओं को और खासकर कांग्रेस के नेताओं को टारगेट कर प्रताड़ित किया जा रहा है, इसमें सरकार की तानाशाही साफ झलकती है। डॉ उरांव ने कहा कि भ्रष्टाचार के ऊपर कार्रवाई हो, इस पर कोई विवाद नहीं है। लेकिन नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र को लेकर जारी समन पूरी तरह से दुर्भावना से ग्रसित है। मौके पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दुबे ने कहा कि आज से देश में एक नये आंदोलन का सूत्रपात हुआ है। अब वह दिन दूर नहीं, जब केन्द्र सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि उदयपुर में आयोजित कांग्रेस पार्टी के नक्सकल्प चिंतन शिविर के बाद से भाजपा नेताओं में बेचैनी है। इसी बेचैनी के कारण केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, लेकिन कांग्रेस पार्टी इससे चवराने वाली नहीं है।

एक नजर

शांति व्यवस्था कायम करे सरकार : विजय सिंह

रातू प्रतिनिधि। झारखंड नवनिर्माण दल की जिला स्तरीय बैठक सोमवार को रातू प्रखंड के हेहल गांव में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक सह रंची जिला प्रभारी विजय सिंह ने कहा कि राज्य में शांति स्थापित करना राज्य सरकार की जवाबदेही है जिससे हेमंत सोरेन भाग नहीं सकते है। विजय सिंह ने राज्य की अमनपसंद जनता से भी आग्रह किया कि शांति व्यवस्था बनाए रखे। शांति व्यवस्था के लिए हमें भी आगे आना होगा। विजय सिंह ने झारखंड नवनिर्माण दल द्वारा राज्य हित की मांगों को लेकर आंदोलन शुरू करने का भी संकेत दिया है। बैठक में दल के नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ तथा किसानों और जनसमस्याओं को लेकर जिले में जन गोलबंदी व आंदोलन तेज करने पर बल देने की बात कही। बैठक में प्रकाश उरांव, तेजू भगत, तेंबा भगत, परितोष सिंह, दिलेश्वर उरांव, एजाज अंसारी, एतवा उरांव, बैजू साहू व संतु भगत सहित कई लोग उपस्थित थे।

रातू में वज्रकीट पाया गया

रातू। थाना क्षेत्र के बाजपुर बाजार टांड के पास रहने वाली रीना देवी के घर के आंगन में रविवार रात में अचानक वज्रकीट पहुंच गया। अचानक अजीबोगरीब जीव देख सभी डर गए इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से उसे पकड़ कर थाना व वन विभाग को सूचित कर दिया इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बाजपुर गांव की रीना देवी के घर के आंगन में अचानक घर वालो की नजर एक अजीब जीव पर पड़ी। जिसे ग्रामीणो के सहयोग से पकड लिया गया।ग्रामीणो ने इसकी पहचान करते हुए कहा कि यह वज्रकीट है।वज्रकीट मिलने की सुचना पुरे गांव में फैल गई। हल्ला सुन ग्रामिण डकड़ो हो गए तथा वज्रकीट को एक बाल्टी में ढक कर चुप दिया।दिर रात तक गांव में वन विभाग के अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर उसे ग्रामीणों ने रात भर वज्रकीट को गांव में रखा। सोमवार सुबह 10 बजे बेड़ो रेंज के नगडी बीट के प्रभारी वनपाल मनोज कुमार एवं आरक्षी विकास कुमार बाजपुर गांव पहुंचे। वन विभाग के लोगों ने बताया कि वह विलुप्त प्रायः प्रजाति का जीव है।इसे स्थानीय भाषा में वज्रकीट के नाम से जाना जाता है।वह यदा कदा ही दिखाई देता है।इसके बाद मुखिया प्रतिनिधि कुशल उरांव की अगुवाई में इसे ग्रामीणो की उपस्थिति में वन विभाग को सुर्क्षित सौंपा गया।

पुलिस की पहल पर प्रेमी युगलकी शादी करायी गयी

अनगड़ा : थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार की पहल पर सोमवार को प्रेमी युगल एक हो गए। अनगड़ा शिव मंदिर में प्रेमी युगल की शादी करा दी गई। प्रेम विवाह को सफल बनाने में समाजसेवी रामकिशोर बेदिया, ग्राम प्रधान धरम बेदिया व पुशनाथ मुंडा का उल्लेखनीय योगदान रहा। प्रेमिका सुंदरी कुमारी कोयराडीह व प्रेमी रवि बेदिया कोराम्बे के जोगीदास का रहनेवाला है। पिछले सात सालों से दोनों के बीच प्रेम संबंध चल रहा था। रवि शादी करने से लगातार इनकार कर रहा था। सोमवार को प्रेमिका अपने रिश्तेदार के यहां बीस पंचायत के छोटकी गोड़ां आवी हुई थी। प्रेमी भी यहां पहुंच गया। दोनों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इसके बाद प्रेमी युगल को अनगड़ा थाना लाया गया। थाना में दोनों पक्ष के अभिभावक को भी बुलाया गया। थानेदार ब्रजेश कुमार के पहल पर दोनों पक्ष शादी के लिए राजी हुए। इस मौके पर डॉ सावन कुमार बेदिया, कार्तिक बेदिया, आशाराम बेदिया, आनंद बेदिया, वचन देवी, चमरू बेदिया शामिल हुए।

नेली डहंगा प्रमुख, रेशमा उप प्रमुख

खूंटी. रनिया प्रखंड कार्यालय सभागार में सोमवार को प्रखंड प्रमुख और उप प्रमुख का चुनाव अनुमंडल पदाधिकारी सह निवाची पदाधिकारी सैयद रियाज अहमद की देखरेख में संपन्न हुआ। प्रमुख के पद के लिए जयपुर पंचायत समिति सदस्य नेली डहंगा और खटंगा पंचायत समिति सदस्य सीमा कंडुलना ने नामांकन पत्र दाखिल किया था। अत्यल्प प्रणाली से हुए मतदान में सात पंचायत समिति सदस्यों में पांच ने नेली डहंगा के पक्ष में मतदान कर उन्हें प्रमुख के पद पर बिठाया, वहीं उनकी प्रतिद्वंद्वी सीमा कंडुलना को मात्र दो पंचायत समिति सदस्यों का ही समर्थन प्राप्त हुआ। उप प्रमुख का चुनाव निर्विवाद हुआ। उप प्रमुख पद की उम्मीदवार रेशमा डहंगा के विरोध में किसी ने नामांकन दाखिल नहीं किया और उन्हें निर्विरोध उप प्रमुख चुन लिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी सह निवाची पदाधिकारी सैयद रियाज अहमद ने उन्हें शपथ दिलायी और प्रमाणपत्र सौंपा।

प्रधानमंत्री ने देश को नयी ऊंचाई तक पहुंचाया

खूंटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आठ वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक कोचे मुंडा के नेतृत्व में आम लोगों के बीच पंपलेट का वितरण किया और मोदी सरकार की उपलब्धियों और विकास योजनाओं की जानकारी दी। मौके पर विधायक मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के माध्यम से विकास को नयी ऊंचाई दी है। उन्होंने कहा कि देश ही नहीं, विदेशों में भी प्रधानमंत्री ने अपने कार्यों से मिसाल कायम कर दी है। विधायक ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों को दें और पार्टी संगठन को मजबूत करें।

पिता ने कर ली आत्महत्या

खूंटी। आड़की थानांतर्गत टोला लेम्बा जारंगा गांव निवासी लुकिन मुंडा (65) ने घौती से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार शाम हुई इस घटना की सूचना अड़की थाना की पुलिस को मिलने पर पुलिस सोमवार सुबह घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक प्रक्रिया के बाद शव को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के उपरांत शव स्वजनों को सौंप दिया। इस संबंध में अड़की थाने में अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज किया गया है। शव का पोस्टमार्टम कराने आये ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व लुकिन मुंडा के दो पुत्रों को पुलिस ने हत्या के एक मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा है। अपने दो पुत्रों को गिरफ्तारी से लुकिन मुंडा को गहरा सदमा लगा और वह अवसाद में चला गया था। आशंका व्यक्त की जा रही है कि इसी सदमे के कारण उसने आत्महत्या जैसी घटना को अंजाम दिया होगा।

छह मोबाईल व तीन हजार रुपये की लूट

चान्हो. थाना क्षेत्र में स्थित नकटा पहाड़ में रविवार को पिकनिक मनाने गये छः युवकों से हथियार का भय दिखाकर मोबाइल व नगद रुपये के लूटपाट का मामला सामने आया है. मामले को लेकर भुक्तभीगी युवकों की ओर से चान्हो थाना में लिखित शिकायत दर्ज करायी गयी है. घटना दोपहर करीब एक बजे की है. बताया जा रहा है कि मांडर के फुसराटाड़ निवासी छह युवक रविवार को बाइक से नकटा पहाड़ पिकनिक मनाने गये थे. वहां दोपहर करीब एक बजे वे सभी घर से ले जाया खाना खर थे. इसी क्रम में मास्क पहने तीन अपराधी वहां डंडा और पिस्तौल लेकर पहुंचे और उन्होंने पिस्तौल का भय दिखाकर युवकों को धमकाया और उनके पास से करीब 3 हजार रुपये नगद व छह मोबाईल लूटकर फरार हो गये. भुक्तभीगी युवकों के अनुसार इस लूट के क्रम में अपराधियों ने उनके साथ मारपीट की. अपराधियों के डंडे के वार से एक युवक के सिर में चोट भी आयी है. चान्हो पुलिस मामले को छानबीन कर रही है.

प्रबंधन व श्रमिक प्रतिनिधियों की बैठक

रामगढ़। सीसीएल तोपा के कामगारों की समस्याओं को लेकर सोमवार को परियोजना कार्यालय में प्रबंधन व श्रमिक प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीओ मनीष कुमार, खान प्रबंधक एमके सिंह, डिस्पैक अधिकारी परशुराम सिंह, अविनाश श्रीवास्तव, मजदूर नेता कुमार महेश सिंह, आरसीएमयू नेता राजकुमार ठाकुर, धनेश्वर मांझी, बूटी तिवारी, कामेश्वर गंडू, सुनील प्रसाद आदि मुख्य रूप से शामिल हुए। इस दौरान ऑनलाइन कार्य के लिए अपनाई गई सूय विधि के कारण वेतन भुगतान में हो रही गड़बड़ियों को दूर करने, कोयला उत्पादन से संबंधित कामगारों के संडे ड्यूटी में कोटा बढ़ाने, बकाया 15 दिनों की राशि का शीघ्र भुगतान करने, समाय पदोन्नति, विस्थापितों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने आदि समस्याओं से प्रबंधकीय अधिकारियों को अवगत कराया गया। मौके पर मजदूर नेता कुमार महेश सिंह ने आईआर पालिसी के तहत कार्य करते हुए मजदूरों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने की बात कही। पीओ मनीष कुमार ने गंभीरतापूर्वक समस्याओं से अवगत होते हुए वेतन भुगतान में सुधार कराने, पेयजलापूर्ति आदि आवश्यक सेवा में संडे कोटा बढ़ाने को ले जीएम से बात करने, लगभग कामगारों को दिद जा चुके मंडिकल प्रमाण पत्र के बावजूद छूटे कामगारों को आवेदन देकर प्रमाण पत्र प्राप्त करने, ड्यूटी आने-जाने के लिए वाहनों की उपलब्धता के साथ सुविधा बहाल करने के प्रति आश्चरस किया। इससे पूर्व मजदूर नेता कुमार महेश सिंह व अन्य प्रतिनिधियों द्वारा पीट कार्यालय में कामगारों को संबोधित किया गया।

कांग्रेस की समीक्षा का वक्त

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए और इसके साथ ही कांग्रेस की सक्रियता लौट आयी। देशभर में कांग्रेस नेता-कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के समर्थन में प्रदर्शन किया और धरना दिया। राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय से ईडी हेडक्वार्टर तक जाने के लिए पैदल निकले। उनके साथ कांग्रेस के विरुष्ट नेताओं और कार्यकर्ताओं का पूरा दल निकला। इनमें राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित पार्टी के कई अन्य नेता शामिल थे। कुछ देर बाद पुलिस ने सभी को हिरासत में लिया और राहुल गांधी गाड़ी में सवार होकर ईडी मुख्यालय पहुंचे। राहुल की पेशी पर कांग्रेसियों ने आसमान सिर पर उठा लिया। नेशनल हेराल्ड मामले में पूरे देश के कांग्रेसी अपने नेता के समर्थन में एक साथ उठ खड़े हुए। हालांकि देशभर के एक भी विपक्षी दल ने राहुल के समर्थन में एक बयान तक जारी नहीं किया। यहां तक कि दोषधर तक ट्वीट भी नहीं किया। अभी राष्ट्रपति चुनाव की तैयारियां चल रही हैं। सभी दल रणनीति तैयार कर रहे हैं। विपक्षी एकता की बातें हो रही हैं, परंतु इस मामले में राहुल गांधी बिल्कुल अलग-थलान पड़ गये। उनके साथ वे दल भी नजर नहीं आये, जिनके नेता यहां के केन्द्रीय एजेंसी की कार्यवाई होने पर कांग्रेस नेता खड़े हुए थे। इस घटना ने एक साथ कई सवाल खड़े किये हैं। कांग्रेस की दिशा पर भी सवाल खड़े हुए हैं। कांग्रेस की राजनीतिक दिशा यदि विपक्षी एकजुटता की ओर जाती दिखती, तो आज विपक्षी दल भी राहुल के समर्थन में खड़े होते। कांग्रेस की राजनीति स्पष्ट नहीं होने के कारण ही यह स्थिति बनी है। कांग्रेसी आज अपने नेता के समर्थन में ग्रामीण स्तर तक एकजुट दिखायी दिये, परंतु पेट्रोल-डीजल, रसीद और सिलेंडर के साथ बढ़ती महंगाई का मुद्दा हो या बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सुरक्षा जैसे अन्य मुद्दे, कांग्रेस का रुख उंड रहा है। भाजपा को चुनौती देने के मामले में कांग्रेसी खामोश रहते हैं। हालांकि यह कहा जा रहा है कि इसी बहाने कांग्रेसियों में फुर्ती आयी है, परंतु यह फुर्ती 2024 के लोकसभा चुनाव तक रहेगी अथवा नहीं या इस फुर्ती का परिणाम चुनाव में सकारात्मक आता है या नहीं, यह तो वक्त ही बतायेगा। फिर इस फुर्ती में कांग्रेसी चुनावी पथ पर मतदान के दिन तक एक रहते हैं या नहीं, या कैसे एक रह सकते हैं, इस पर क्या रणनीति बनती है, यह भी भविष्य के वर्ष में है। कांग्रेस के लिए यह परीक्षा की घड़ी है और आत्म समीक्षा की भी। इस समीक्षा में विपक्षी दलों से विश्वास का संबंध बनाने की जरूरत साफ दिखायी पड़ रही है। कांग्रेस अपने अकेले खड़ा करना चाहती है, तब भी उसकी एकता और नीति स्पष्ट होनी चाहिए। यदि कांग्रेस ने अपनी सही दिशा नहीं बनायी, तो सोमवार को यह साफ हो गया कि वर्तमान हालात भाजपा के पक्ष में हैं और राष्ट्रपति चुनाव से ही उसका असर पड़ना तब है।

सामयिकी

शिवाजी : सुशासन के वाहक

शिवाजी का नाम आते ही शौर्य और साहस की प्रतिमूर्ति का एहसास होता है। अपने सपनों को सच करके उन्होंने खुद को न्यायपूर्ण प्रशासक रूप में स्थापित किया। इतिहासकार भी मानते हैं कि उनकी राज करने की शैली परंपरागत राजाओं और मुगल शासकों से अलग थी। वे सुशासन, समरसता और न्याय को अपने शासन का मुख्य विषय बनाने में सफल रहे। बिखरे हुए मराठों को एक सूत्र में पिरोकर उन्होंने जिस तरह अपने सपनों को साकार किया वह प्रेरित करने वाली कथा है। एक अप्रतिम सैनिक, कुटीर्नातिन, योद्धा के साथ ही वे कुशल रणनीतिकार के रूप में भी सामने आते हैं। वे अपनी मां जीजाबाई और गुरु के प्रति बहुत श्रद्धाभाव रखते थे। शायद इन्हीं समन्वित मानवीय गुणों से वे ऐसे शासक बने जिनका कोई पयाय नहीं है। लोकमंगल शासन सूत्र: इतिहासकार ईश्वरी प्रसाद कहते हैं- प्रशासन की उनकी प्रणाली कई क्षेत्रों में मुगलों से बेहतर थी। इतिहास के पन्नों में ऐसा शासक कभी-कभी आता है, जिसने लोकमन में जगह बनायी हो। शिवाजी एक ऐसे शासक हैं, जिनके प्रति उनकी प्रजा में श्रद्धाभाव साफ दिखता है, क्योंकि लोकमंगल ही उनके शासन का मूलमंत्र था। उनकी राज्य प्रणाली, प्रशासन में आम आदमी के लिए, स्त्रियों के लिए, कमजोर वर्गों के लिए ममता है, समरसता का भाव है। वे न्यायपूर्ण व्यवस्था के हामी हैं। प्रख्यात इतिहासकार डॉ. आरसी मजूमदार की माने तो शिवाजी न केवल एक सहसी सैनिक और सफल सैन्य विजेता थे, बल्कि अपने लोगों के प्रबुद्ध शासक भी थे। बाद के इतिहासकारों ने तमाम अन्य भारतीय नायकों की तरह शिवाजी के प्रशासक स्वरूप की बहुत चर्चा नहीं की है। आज भारतीय पुनर्जागरण का समय है और हमें अपने ऐसे नायकों की तलाश है, जो हमारे आत्मविश्वास को बढ़ा सकें। ऐसे समय में शिवाजी की शासन प्रणाली में वे सूत्र खोजे जा सकते हैं, जिससे देश में एकता और समरसता की धारा को मजबूत करते हुए समाज को न्याय भी दिलाया जा सकता है। शिवाजी अपने समय के बहुत लोकप्रिय शासक थे। उन पर जनता की अगाध आस्था दिखती थी। साथ ही उनके राजतंत्र में बहुत गहरी लोकतांत्रिकता भी दिखती है। क्योंकि वे अपने विचारों को थोपने के बजाए या राजा की बात भगवान की बात है ऐसी सोच के बजाए अपने मंत्रियों से सलाह लेते रहते थे। विचार-विमर्श उनके शासन का गुण है। जिससे वे शासन की लोकतांत्रिक चेतना को सम्यक भाव से रख पाते हैं। सत्ता का विकेंद्रीकरण और सामाजिक संतुलन: शिवाजी ऐसे शासक थे, जो सत्ता के विकेंद्रीकरण की वैज्ञानिक विधि पर काम करते हुए दिखते हैं। समाज के सभी वर्गों, जातियों, सामाजिक समूहों की अपनी सत्ता में वे भागीदारी सुनिश्चित करते हैं, जिनमें मुसलमान भी शामिल हैं। उन्होंने मंत्रियों को अलग-अलग काम सौंपे और उनकी जिम्मेदारियां तय की ताकि अनुकूल परिणाम पाए जा सकें। वे परंपरा से अलग हैं। इसलिए वे अपने नागरिकों या सैन्य अधिकारियों को कोई जागीर नहीं सौंपते। किलों (दुर्ग) की रक्षा के लिए उन्होंने व्यवस्थित संरचना खड़ी की ताकि संकट से जूझने में वे सफल हों।

रेक्टल कैंसर के 18 मरीजों से जगी उम्मीद, नयी दवा में कितना दम



डॉ अंशुमान कुमार

कैंसर की नई दवा को डॉस्टरलिमैब नाम दिया गया है। किसी भी दवा के अंत में अगर हमबैबल लगा हो, तो वह इम्युनेथेरेपी ग्रुप में आती है। मैब यानी मोनोक्लोनल एंटीबॉडी- जो इम्यून सिस्टम के साथ मिलकर काम करे। कोरोना में भी हमने देखा था कि टॉक्सलीजुमैब नाम से एक दवा आई थी। पहले कहा गया था कि बहुत कारगर दवा है, बाद में पता चला कि कुछ नहीं है। वैसे डॉस्टरलिमैब कीमोथेरेपी से अलग इसलिए है क्योंकि कीमोथेरेपी कैंसर की कोशिकाओं के साथ-साथ कुछ आम कोशिकाओं को भी मार देती है। इस वजह से बालों का झड़ना या दूसरे साइड इफेक्ट सामने आते हैं। डॉस्टरलिमैब यह नहीं करती। यह आम कोशिकाओं को नहीं मारती।

लेकिन ऐसा नहीं है कि डॉस्टरलिमैब सारे कैंसर पर काम करेगी। यह दवा सिर्फ रेक्टल कैंसर पर आजमाई गई है। रेक्टल कैंसर कहते हैं मलद्वार के कैंसर को। इस कैंसर में हो यह रहा था कि मलद्वार पर कोशिकाओं में बदलाव आ गया था, उनके मरने की क्षमता खत्म हो गई थी और वह

एक अंग से दूसरे अंग में जाने लगी थीं। इस कैंसर में ख़ास बात यह थी कि यह शरीर की साधारण कोशिकाओं जैसे ही एक नकाब ओढ़ लेता था। इस नकाब के चलते शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यह अंतर नहीं कर पाती थी कि साधारण कोशिका कौन सी है और कैंसर वाली कौन सी। इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कैंसर वाली कोशिका को भी साधारण कोशिका मानकर छोड़ देती थी। डॉस्टरलिमैब ने चेक पॉइंट इनहिबिटर्स को ब्लॉक किया। ब्लॉक करते ही कैंसर की कोशिका बेनकाब हो गई और इम्यून सिस्टम ने पहचान कर उसे मार दिया। काम तो बेसिकली हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता ने किया, दवा तो बस कैंसर को बेनकाब करने का काम कर रही है।

यह दवा मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर और फार्मास्यूटिकल कंपनी ग्लैक्सो ने खोजी है। इन दोनों के संयुक्त अभियान में 18 मरीजों पर इसका ट्रायल किया गया। अधिकतर मामले कैंसर की एडवॉंस स्टेज के लिए गए क्योंकि दवा का ट्रायल कैंसर की अलीं स्टेज पर नहीं करते हैं। सभी मरीजों को तीन-तीन हफ्ते पर एक-एक खुराक दी गई। दवा की छह खुराक देने के बाद छठे महीने में इन मरीजों का पेट स्कैन हुआ, एंडोस्कोपी की गई। इसके परिणाम में पता चला कि अब इन मरीजों में कैंसर नहीं है।

यहां पर एक सवाल उठता है। क्या हम अभी मान लें कि डॉस्टरलिमैब ने कैंसर को 100

योगेश कुमार गोयल

सदैव कड़वी और खरी बातें करने वाले स्वच्छंद विचारक संत कबीर दास को कई बार हिन्दू-मुसलमान दोनों ही समुदायों से धमकियां भी मिलीं, लेकिन वे विचलित नहीं हुए और समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधश्रद्धा, अंधविश्वास, आडम्बरों तथा सामाजिक बुराइयों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्होंने समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई।



डा. विपिन कुमार

आजादी के सात दशक के बाद भी देश के करोड़ों लोगों के पास बैंकिंग की सेवा उपलब्ध नहीं थी। इस बुनियादी समस्या को सुलझाने के लिए उन्होंने जन-धन योजना की शुरुआत की और उसे आधार और मोबाइल के जरिए नई ऊंचाई प्रदान की। इस पहल ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई और अब लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिल रहा है।

मध्यकालीन युग के महान कवि संत कबीर दास की जयंती प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है और इस बार 14 जून को उनकी जयंती है। माना जाता है कि इसी पूर्णिमा को विक्रमी संवत् 1455 सन् 1398 में उनका जन्म काशी के लहरतारा ताल में हुआ था। हालांकि उनके जन्म को लेकर अलग-अलग मत हैं। कुछ लोगों का मानना है कि कबीर का जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ था जबकि कुछ उन्हें जन्म से हिन्दू मानते हैं और उनका मानना है कि उनका जन्म एक जुलाहे के घर हुआ था। कुछ अन्य का मानना है कि जन्म से तो कबीर मुसलमान थे लेकिन उन्होंने गुरु रामानंद से हिन्दू धर्म का ज्ञान प्राप्त किया। हालांकि तमाम मत-मतांतर के बावजूद सभी विद्वान कबीर का जन्मस्थान काशी को मानते हैं। दोनों ही सम्प्रदायों में उन्हें बराबर का सम्मान प्राप्त था और दोनों सम्प्रदायों के लोग उनके अनुयायी थे। उनके जन्म के विषय में एक छंद है : चौदह सौ पचपन साल गए, चन्द्रवार एक ठाठ भरा।

जेठ सुदी बरसायत को, पूरण मासी प्रकट भए॥

वह ऐसा दौर था, जब चारों तरफ जात-पात, छुआछूत, धार्मिक पाखंड, अंधश्रद्धा से भरे कर्मकांड, मुस्ला-मौलवी तथा पंडित-पुरोहितों के ढोंग और साम्प्रदायिक उन्माद का बोलबाला था। सदैव कड़वी और खरी बातें करने वाले स्वच्छंद विचारक संत कबीर दास को कई बार हिन्दू-मुसलमान दोनों ही समुदायों से धमकियां भी मिलीं लेकिन वे विचलित नहीं हुए और समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधश्रद्धा, अंधविश्वास, आडम्बरों तथा सामाजिक बुराइयों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्होंने समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई। धर्म के नाम पर आम जनता को दिग्भ्रमित करने वाले काजी, मौलवी, पंडितों, पुरोहितों को आईना दिखाते हुए कबीर दास ने कहा : काजी तुम कौन कितेब बखानी। झंखत बकत रहहु निशि बासर। मति एकऊ नहीं दिल में खोजी देखि खोजा दे।

बिहिस्त कहां से आया?

उन्होंने अपना सारा जीवन देशाटन और

कबीर जयंती 14 जून पर विशेष



साधु-संतों की संगति में व्यतीत कर दिया और अपने उन्हीं अनुभवों को उन्होंने मौखिक रूप से कविताओं अथवा दोहों के रूप में लोगों को सुनाया। लोगों को बड़ी आसानी से अपनी बात समझाने के लिए उन्होंने उपदेशात्मक शैली में लोक प्रचलित और सरल भाषा का प्रयोग किया। उनकी भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी तथा अरबी फारसी के शब्दों का मेल था। अपनी कृति सबद, साखी, रमैनी में उन्होंने काफ़ी सरल और लोकभाषा का प्रयोग किया है। गुरु के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए समाज को उन्होंने ज्ञान का मार्ग दिखाया। गुरु की महिमा का उल्लेख करते हुए वह कहते हैं :-

गुरु गोविंद दोउ खड़े, काके लागु पांय।

बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दिया मिलाय।

एक ही ईश्वर को मानने वाले कबीर दास निर्गुण ब्रह्म के उपासक थे। कबीरपंथी संत कबीर को एक अलौकिक अवतारी पुरुष मानते हैं। धार्मिक एकता के प्रतीक और अंधविश्वास तथा धर्म व पूजा के नाम पर आडम्बरों के घोर विरोधी रहे संत कबीर ने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज सुधार के कार्यों में लगा दिया था। अपने उपदेशों में उनका कहना था कि वृक्ष कभी अपने फल स्वयं नहीं

खाते, न ही नदियां कभी अपने लिए जल का संचय करती हैं, इसी प्रकार सज्जन व्यक्ति अपने शरीर को अपने लिए नहीं बल्कि परमार्थ में लगाते हैं। अपनी रचनाओं में उन्होंने सदैव हिन्दू-मुस्लिम एकता पर जोर दिया और हिन्दू या इस्लाम धर्म को नहीं मानते हुए जीवन पर्यंत पूर्ण रूप से धर्मनिरपेक्ष मूल्यों तथा मानव सेवा के प्रति समर्पित रहे। कबीर कहते थे :-

वो ही मोहम्मद, वो ही महादेव, ब्रह्मा आदम कहिए। को हिन्दू, को तुरूक कहाए, एक जिमि पर रहिए।

सदियां बीत जाने के बाद भी कबीर दास के विचार 21वीं सदी में भी बेहद प्रासंगिक हैं। उनके कार्य की पहचान दो-दो पंक्तियों के उनके दोहे हैं, जिन्हें ह्दकबीर के दोहेह्द के नाम से जाना जाता है। उनके ये दोहे आज भी लोगों के मुख से सुनने को मिलते हैं, जो हमारे लोकजीवन के इर्द-गिर्द ही घूमते नजर आते हैं और मनुष्य को जीवन की नई प्रेरणा देते हैं। उनके कार्य के प्रमुख हिस्से को सिखों के पांचवें गुरु गुरु अर्जन देव द्वारा एकत्रित कर ह्यगुरु ग्रंथ साहिबह्म में शामिल किया गया। उनका समस्त मानव जाति के लिए स्पष्ट

संदेश था कि कि मनुष्य को फूलों की भांति सभी धर्मों के लिए एक जैसा भाव रखने वाला होना चाहिए। अपने दोहों में उन्होंने कहा है कि मनुष्य अपना सारा जीवन दूसरों की बुराइयां देखने में ही लगा रहता है लेकिन वह अपने भीतर झांककर नहीं देखता। अगर वह ऐसा करे तो उसे पता चलेगा कि उससे बुरा तो संसार में और कोई नहीं है। इसलिए हर व्यक्ति को चाहिए कि वह सबसे पहले अपने भीतर की बुराइयों को दूर करे।

बुरा जो देखन में चला, बुरा न मिलिया कोय। जो मन देखा आपना, मुझ से बुरा न कोय।। कबीरमान ने अपना पूरा जीवन काशी में बिताया किन्तु जीवन के अंतिम समय में वे काशी छोड़ मगहर चले गए। उनकी दृढ़ मान्यता थी कि मनुष्य को स्थान विशेष के कारण नहीं बल्कि उसके कर्मों के अनुसार ही गति मिलती है और अपनी इसी मान्यता को सिद्ध करने के लिए अंतिम समय में वे मगहर गए थे। दरअसल उस समय लोगों की मान्यता थी कि काशी में मरने पर मनुष्य को स्वर्ग मिलता है जबकि मगहर में मरने पर नरक। मगहर में ही उन्होंने विक्रमी संवत् 1575 अर्थात् सन् 1518 के आसपास अंतिम सांस ली, जहां आज भी उनकी मजार और समाधि है। कहा जाता है कि देह त्यागने से पूर्व संत कबीर आमी नदी के किनारे एक छोटी सी कोठरी में चादर ओढ़कर लेट गए और बाहर से कोठरी का ताला बंद कर दिया। कुछ ही पलों बाद वे एक अलौकिक ध्वनि के साथ स्वर्ग सिधार गए। जब कोठरी का ताला खोला गया तो वहां चादरों के नीचे कमल के फूलों का ढेर ही पाया गया। उन पुष्पों को उनके हिन्दू-मुस्लिम शिष्यों ने आपस में बांटकर अपने-अपने धर्मों के अनुसर उनका अंतिम संस्कार किया। मुस्लिम शिष्यों ने मगहर में उनकी कब्र बनाई जबकि हिन्दू शिष्यों ने अवधेशों का अग्निदाह सम्पन्न कर राख को काशी ले जाकर समाधिस्थ किया। इसी स्थान को काशी में वर्तमान में कबीर चौरा नाम से जाना जाता है। कबीर दास के देहावसान के बाद उनके पुत्र तथा शिष्यों ने उनकी रचनाओं के लिए दरवाजे खोले हैं। इस योजना ने लोगों को डिजिटल भुगतान, ई-केवाईसीए, डिजी लॉकर, इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर प्रणाली का विकल्प देते हुए पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर ही बदल डाली है। बेशक इस राह में डिजिटल निश्चरता एक बड़ी समस्या है। लेकिन पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में वैज्ञानिक सोच और समन्वय के साथ इस समस्या को भी आसानी से हल कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी नई तकनीक और आधुनिकता को अपनाते हुए कामकाज में पारदर्शिता और तेजी तो लाए ही हैं, साथ ही भारतीय परंपरा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए योग, आयुर्वेद संग्रहालय आदि के महत्व को भी प्रोत्साहित करने के लिए कई उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। इससे पूरी दुनिया के लोग भारतीय जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। यह महसूस करना भी जरूरी है कि आज उनकी सुधारवादी नीतियों के कारण लोगों की उम्मीदें काफ़ी बढ़ गई हैं और उन्हें अतीत की उदासी और निराशाओं को लोगों के जीवन से हमेशा के लिए दूर करने के लिए आने वाले समय में और अधिक मेहनत से काम करना होगा। ताकि आजादी के अमृतकाल में भारत वैश्विक पटल पर उन आयामों को छू सके, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

प्रधानमंत्री मोदी की शैली ने लोगों का मन मोहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हाल ही में केन्द्र में सत्ता संधाले आठ साल पूरे हुए हैं। उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ 30 मई, 2019 को प्रचंड बहुमत हासिल करने के बाद ली थी। इन आठ वर्षों में पीएम मोदी की अगुवाई में केन्द्र सरकार ने अपना सर्वस्व सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित करते हुए एह सुनिश्चित किया है कि तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक आसानी से पहुंचे और उन्हें हर योजना के बारे में पूरी जानकारी हो। उन्होंने अपनी राष्ट्र प्रथम नीति के तहत सत्ता को सेवा का जरिया मानते हुए गरीबों और वंचितों के लिए अथक प्रयास किए जिससे जन्मानस का लोकतंत्र में एक अलग ही विश्वास पैदा हुआ है और वे देश की ऐतिहासिक विकास की यात्रा में सहभागी बने हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और सबल नेतृत्व से देश को न सिर्फ राजनीतिक मोर्चे पर एक नई स्थिरता दी है बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मोर्चों पर भी एक नए विमर्श को जन्म दिया है।उन्होंने प्रधानमंत्री जन-धन योजना, जन सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, आयुष्मान भारत योजना, अटल पेंशन योजना, आत्मनिर्भर भारत योजना जैसी कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को अंजाम दिया है। इससे लोगों में नया आत्मविश्वास जागृत हुआ है। आज उनकी छवि भारतीय इतिहास में सबसे मजबूत और निडर प्रधानमंत्री के रूप होती है। ईमानदारी, कठोर परिश्रम और कठोर फैसले लेना उन्हें एक बेहद ही करिश्माई नेता बनाती है।

सरकारें योजनाएं पहले ही शुरू करती थीं। लेकिन भ्रष्ट रवैये के कारण जरूरतमंदों को इसका कोई ख़ास लाभ नहीं मिल पाता था। हालांकि लोगों के इसी आक्रोश ने 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को नेस्तनाबूद कर दिया और उन्होंने अपने प्रधानमंत्री के रूप में मोदी को चुना। उनके



कुशल नेतृत्व को इस विमर्श से समझा जा सकता है कि आज देश के पास संसाधन भी वही हैं और अधिकारी भी वही हैं। लेकिन नतीजे काफ़ी सार्थक आ रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अधिकारी हों या लाभार्थी, वह अनान-फानन में किसी से भी संवाद कर लेते हैं। इस वजह से पूरी सरकारी मशीनरी में भ्रष्टाचार को लेकर भय का माहौल बना है। प्रधानमंत्री मोदी की सबसे बड़ी खासियत जनता से सीधा संवाद करना है। बात चाहे नोटबंदी की हो या जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की या कोरोना महामारी के दौरान परिस्थितियों को संभालने की। उन्होंने मुश्किल हालातों में अपनी संवाद शैली से हमेशा लोगों का विश्वास जीता है और उन्हें अपने प्रयास में जनभागीदारी के लिए प्रेरित किया है।

आजादी के सात दशक के बाद भी देश के करोड़ों लोगों के पास बैंकिंग की सेवा उपलब्ध नहीं थी। इस बुनियादी समस्या को सुलझाने के लिए उन्होंने जन-धन योजना की शुरूआत की और उसे आधार और मोबाइल के जरिए नई ऊंचाई प्रदान की। इस पहल ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई और अब लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे

मिल रहा है। इसी कड़ी में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का उल्लेख करना भी जरूरी है, जिसने देश में जनसंघना को बढ़ावा देने में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस योजना की शुरूआत जुलाई 2015 में हुई थी। इसका लक्ष्य देश में बेहद ही सुरक्षित और स्थिर डिजिटल ढांचे को विकसित करते हुए सरकारी सेवाओं की पहुंच को आसान बनाना और जनसामान्य को डिजिटल साक्षरता प्रदान करना है। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्टैटअप इंडिया जैसी कई अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं को भी मजबूती दी है और तकनीक के माध्यम से सरकार में सुधार के लिए दरवाजे खोले हैं। इस योजना ने लोगों को डिजिटल भुगतान, ई-केवाईसीए, डिजी लॉकर, इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर प्रणाली का विकल्प देते हुए पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर ही बदल डाली है। बेशक इस राह में डिजिटल निश्चरता एक बड़ी समस्या है। लेकिन पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में वैज्ञानिक सोच और समन्वय के साथ इस समस्या को भी आसानी से हल कर लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी नई तकनीक और आधुनिकता को अपनाते हुए कामकाज में पारदर्शिता और तेजी तो लाए ही हैं, साथ ही भारतीय परंपरा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए योग, आयुर्वेद संग्रहालय आदि के महत्व को भी प्रोत्साहित करने के लिए कई उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। इससे पूरी दुनिया के लोग भारतीय जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। यह महसूस करना भी जरूरी है कि आज उनकी सुधारवादी नीतियों के कारण लोगों की उम्मीदें काफ़ी बढ़ गई हैं और उन्हें अतीत की उदासी और निराशाओं को लोगों के जीवन से हमेशा के लिए दूर करने के लिए आने वाले समय में और अधिक मेहनत से काम करना होगा। ताकि आजादी के अमृतकाल में भारत वैश्विक पटल पर उन आयामों को छू सके, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी।

साल तक मरीज में रेक्टल कैंसर का कोई लक्षण नहीं आया, तब हम मान लेंगे कि दवा 100 फीसदी कारगर हो गई।

दूसरी चीज, सिर्फ 18 मरीज ट्रायल में लिए गए। मरीजों की संख्या बढ़ाई जाएगी और सभी मरीजों का मेडिकल साईंस के तहत होने वाला रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल किया जाएगा। अलग-अलग देशों के अलग-अलग कैंसर केंद्रों पर इसका ट्रायल होगा। उसका एक पूल होगा, जिसमें देखा जाएगा कि अगर दस हजार मरीजों में डॉस्टरलिमैब दी गई तो कितने मरीजों में क्या रिसर्प्स आया। उसमें अगर डॉस्टरलिमैब कारगर साबित होती है और पांच साल तक के फॉलोअप में लगता है कि मरीज कैंसर मुक्त रहा, तब हम कहेंगे कि वाकई यह चमत्कारी दवा है। अभी तो बस यही कह सकते हैं कि आशा की किरण दिखी है क्योंकि अभी तक कैंसर में कोई एक चीज सौ फीसदी कारगर नहीं हो रही थी। ट्रीटमेंट में सबको मिस्र करना पड़ता था- मतलब सर्जरी, कीमो, रेडिएशन आदि।

अब बात आती है रेक्टल कैंसर के अलावा बाकी के कैंसर की। रेक्टल कैंसर के बाद आता है बड़ी आंत का कैंसर। बड़ी आंत के कैंसर का व्यवहार भी रेक्टल कैंसर जैसा ही होता है। इस दवा का अम्ला ट्रायल अब इस कैंसर पर हो सकता है। लेकिन यह नहीं कह सकते कि यह दवा ब्रेस्ट कैंसर, बच्चेदानी का कैंसर या फिर मुंह के कैंसर में भी काम करेगी। यह दवा वहीं काम करेगी, जहां

चेकपॉइंट की प्रॉब्लम होगी। इसके लिए एक टेस्ट होता है- एमएसआई (माइक्रो सैटेलाइट इन्स्टैबिलिटी टेस्ट) होता है। यह हम रेक्टल कैंसर वाले मरीज में करते हैं। अगर एमएसआई की समस्या है, तभी यह दवा कारगर होगी। कोई कह सकता है कि फिर क्या यह एमएसआई वाले हर मरीज पर कारगर होगी? इसका उत्तर है- नहीं। अगर हम सौ मरीजों का एमएसआई टेस्ट करते हैं तो सिर्फ दो से पांच प्रतिशत मरीज में ही एमएसआई की प्रॉब्लम पाई जाती है और उसी में दवा दे सकते हैं।

भारत के हिसाब से दवा महंगी है। इसकी एक खुराक 11 हजार डॉलर की है, यानी लगभग नौ लाख रुपये। कम से कम छह डोज लगनी हैं। इंडिया में बेसिक इलाज की ही सुविधा अभी उपलब्ध नहीं है, तो इस दवा को हम प्राइम मानकर नहीं बैस सकते। इसकी एक वजह ये भी है कि कभी-कभी कंपनियां ऐसी चीजों की हवा बनाती हैं। फिर काफ़ी पैसा बना कर निकल लेती हैं। बाद में पता चलता है कि दवा तो उतनी कारगर है ही नहीं। पहले भी दूसरी दवा के चेक पॉइंट इनहिबिटर्स ट्रायल हुए हैं, जिनमें पाया गया कि वह दवा इतनी कारगर नहीं थी तो ट्रायल बंद हो गया, दवा बेकार हो गई। इसलिए अभी डॉस्टरलिमैब आशा की किरण जरूर है, लेकिन बौर लंबे शोध के इसको आम जनता के लिए जारी करना सही नहीं होगा।

एक नजर

भारत-नेपाल सीमा पर दो चीनी नागरिक गिरफ्तार

पटना/सीतामढ़ी : बिहार के सीतामढ़ी जिले में भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के भिदुमोड़ से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बीती रात चीन के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया है। एसएसबी ने दोनों को सुरसंड थाना पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस पृच्छाछ में दोनों ने बताया कि वह चीन से थाईलैंड होते हुए काठमांडू पहुंचे। वहां से बिहार सीमा तक का सफर साइकिल से तय किया। भारत आने के बाद कार हायर की नोपड़ा गए। नोपड़ा में दोनों अपने दोस्त कैरी के यहां 15 दिन तक रहे। इन चाइनीज नागरिक का नाम लू लंग (28) और युंगहाईमंग (34) है। इनके पास से नेपाल की करेंसी, तीन एटीएम कार्ड ,सिमरेट, मोबाइल स्कैल पेपर, पेंसिल ड्रॉर फोन और नेपाल का पासपोर्ट जब्त किया गया है। दोनों से पृच्छाछ की जा रही है। भाषा की समस्या के कारण पृच्छाछ में कठिनाई हो रही है। दोनों को भारत-नेपाल सीमा के पितर सख्या 11/6 के पास भारतीय सीमा क्षेत्र के 301 मीटर अंदर पकड़ा गया है।

24 घंटे में कोरोना के मिले 8,084 नये मरीज

नयी दिल्ली : देश में पिछले 24 घंटे के दौरान सोमवार सुबह आठ बजे तक कोरोना वायरस से संक्रमित 8,084 नये मरीज मिले हैं। इस अवधि में कोरोना महामारी को मात देने वालों की संख्या 4,592 रही, जबकि कोरोना संक्रमित 10 मरीजों की मौत हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में अबतक कुल 4 करोड़ 26 लाख 57 हजार 335 कोरोना के मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। मौजूदा रिकवरी दर 98.68 प्रतिशत है। फिलहाल देश में कोरोना वायरस के सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 47 हजार, 995 है। दैनिक संक्रमण दर 3.24 प्रतिशत है। आईसीएमआर के मुताबिक बीते 24 घंटे में 2.49 लाख से ज्यादा टेस्ट किए गए। उल्लेखनीय है कि अबतक कुल 85.51 करोड़ टेस्ट किए जा चुके हैं।

बीएसएफ ने घुसपैठ की कोशिश विफल की

जम्मू : जम्मू के बाहरी इलाके अरनिया सेक्टर की अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास रविवार रात बीएसएफ के जवानों ने कुछ घुसपैठियों को भारतीय सीमा में घुसते हुए देखा। जवानों ने उन्हें वापस जाने को कहा। लेकिन वह नहीं माने और भारतीय सीमा में घुसने लगे। जवानों ने यह सब देखते हुए गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद वह भाग निकले। बीएसएफ के प्रवक्ता ने सोमवार को कहा कि बीएसएफ के जवानों ने कुछ घुसपैठियों को अरनिया सेक्टर की अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार से इस तरफ घुसते हुए छुड़ा। बीएसएफ के प्रवक्ता जवानों ने उन पर गोलीयां चलाई और वह भाग गए। सोमवार सुबह जवानों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया।

मुख्यमंत्री धामी ने विधायक के रूप में ली शपथ

देहरादून : उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने सोमवार को तीसरी बार विधायक पद की शपथ ली। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खड्गी भूषण ने राज्य विधानसभा सभागार में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को विधायक पद की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री धामी स्वयं विधानसभा सीट से विधायक निर्वाचित हुए हैं। सोमवार दोपहर विधानसभा स्थित स्व.प्रकाश पंत भवन के सभागार में शायर ग्रहण समारोह में मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल, गणेश जोशी, राज्य सभा सांसद नरेश बंशल,पूर्व भाजपा अध्यक्ष और विधानक बंशीधर भगत, खानपुर विधायक उमेश, पुरौला विधायक दुर्गाश लाल ,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र बंसौन,काषाध्यक्ष पुनीत मि्तल सहित मंत्री, विधायकों के साथ अधिकारी और अन्य अतिथि शामिल रहे। गौरतलब है कि खटौमा विधानसभा से चुनाव हारने के बाद मुख्यमंत्री धामी के लिए चंपावत से विधायक फैलाश चंद गहतौली ने इस्तीफा देकर सीट खाली की थी। उपचुनाव में मुख्यमंत्री रिर्कांड मतों के 94 फीसद से विधानसभा चुनाव जीतकर निर्वाचित हुए हैं। मुख्यमंत्री धामी ने चंपावत उपचुनाव में 55 हजार से अधिक मतों के अंतर से कांग्रेस उम्मीदवार को हराया है।

प्रधानमंत्री मोदी आज महाराष्ट्र के दौरे पर

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 जून को मुंबई तथा पुणे में पूर्व नियोजित चार कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए के महाराष्ट्र आ रहे हैं। इसके तहत प्रधानमंत्री मंगलवार को दोपहर करीब 1.45 बजे पुणे के देहू में जगतगुरु श्रीसंत तुकाराम महाराज मंदिर को उद्घाटन करेंगे। शाम करीब 4.45 बजे प्रधानमंत्री मुंबई में जल भूषण भवन और राजभवन में क्रांतिकारी गेलरी का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद शाम करीब छह बजे प्रधानमंत्री मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्लेक्स में मुंबई सभावार द्विशताब्दी महोत्सव में शामिल होंगे। पुणे के देहू में जगतगुरु श्रीसंत तुकाराम महाराज का मंदिर 36 चोटियों के साथ पथर से बनाया गया है, जिसमें संत तुकाराम महाराज की मूर्ति भी स्थापित की गई है। संत तुकाराम वारकरी संप्रदाय के संत और कवि थे, जो अपने अभंगों और आध्यात्मिक कीर्तनों के माध्यम से समुदाय-उन्मुख पूजा के लिए जाने जाते थे। वह देहू में रहते थे। उनके देहलीकालमन के बाद एक पथर का मंदिर बनाया गया था। इसी मंदिर को 36 चोटियों के साथ पथर से बनाया गया है, जिसमें संत तुकाराम महाराज की मूर्ति भी शामिल है। इसी मंदिर का उद्घाटन कल प्रधानमंत्री करने वाले हैं।

रास चुनाव : चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती

मुंबई : शिवसेना विधायक सुहास कांदे ने सोमवार को भारत के चुनाव आयोग की और से 10 जून को हुए राज्यसभा चुनाव में उनका मतदान रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दाखिल की है। उनकी याचिका को हाईकोर्ट ने सुवीरुद्ध कर लिया है और सुनवाई के लिए 15 जून की तिथि तय की है। सुहास कांदे ने सोमवार को पत्रकारों की बताया कि महाविकास आघाडी सरकार के नेताओं ने चुनाव आयोग से राज्यसभा चुनाव में गलत मतदान को लेकर शिकायत की थी। इसी तरह भाजपा की और से राकपा विधायक जीतेंद्र आंबाड तथा कांग्रेस विधायक यशोमति ठाकुर तथा उनके मतदान को लेकर शिकायत की गई थी। चुनाव आयोग ने सिर्फ शिवसेना को नुकसान पहुंचाने के लिए भाजपा के इशारे पर सिर्फ उनका मतदान रद्द कर दिया था। इससे शिवसेना को चुनाव में नुकसान हुआ है और इसका असर महाविकास आघाडी पर पड़ा है। राज्यसभा चुनाव में महाविकास आघाडी से तीन और भाजपा के तीन उम्मीदवार चुने गए। शिवसेना उम्मीदवार संजय पवार चुनाव हार गए हैं। इसी वजह से शिवसेना विधायक सुहास कांदे ने चुनाव आयोग के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री संग्रहालय का किया दौरा

नयी दिल्ली : उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सोमवार को तीन मूर्ति स्थित प्रधामंत्री संग्रहालय का दौरा किया। उन्होंने देशवासियों से स्वतंत्रता के बाद की भारत की यात्रा के बारे में जानने के लिए कम से कम एक बार इस विश्व स्तरीय संग्रहालय का दौरा करने आग्रह किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी एम ऊषा नायडू भी थीं। संग्रहालय में प्रधानमंत्रियों को भेंट की गई व्यक्तिगत कलाकृतियों और उपहारों को दीर्घाओं में प्रदर्शित किया गया है। नायडू ने कहा कि संग्रहालय में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का चर्या और निजी कलम देखकर शोड़ा भावुक हो गए। संग्रहालय का दौरा करने के बाद उपराष्ट्रपति ने फेसबुक पर प्रधानमंत्री संग्रहालय के दौर की अपनी तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि यह एक शानदार स्मारक है। यह पिछले 75 वर्षों में देश के विकास में उनके योगदान की कहाणियां सुनाकर आजमी के बाद से भारत के सभी प्रधानमंत्रियों को श्रद्धांजलि देता है। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारतीय लोकतंत्र की जीवंत प्रकृति का जीवंत प्रतिबिंब और उत्सव है।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में संतोष जाधव गिरफ्तार

पुणे : पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के आरोपितों की धरपकड़ में जुटी पुणे, पंजाब और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम ने संतोष जाधव को उसके साथी नवनाथ सुर्ववंशी के साथ गुजरात से गिरफ्तार किया। माना जा रहा है कि इस हत्याकांड में संतोष जाधव भी शामिल था।

पुलिस ने संतोष जाधव को रविवार देररात ड्यूटी मंजिस्ट्रेट के सम्मक्ष पेश किया। अदालत ने उसे 2021 में पुणे जिले के मंचर पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ था। पुलिस ने बताया कि नागनाथ सुर्ववंशी का नाम मूसेवाला हत्याकांड में सामने आया है।

पुणे पुलिस ने 2021 के हत्याकांड के बाद जाधव को पनाह देने के आरोपित सिद्धेश कांबले उर्फ सौरभ महाकाल को बोते दिनों गिरफ्तार किया था।

कानपुर हिंसा : आरोपितों को फंडिंग करने वालों तक पहुंची उपद्रव की जांच, कसा शिकंजा

फंडिंग करने वाले आठ बिल्डरों पर मुकदमा दर्ज, जांच शुरू

कानपुर : कानपुर जिले के बेकनगंज इलाके में तीन जून को जुमे की नमाज के बाद हुए उपद्रव की जांच अब उपद्रवियों को फंडिंग करने वालों तक पहुंच गई है। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के विशेष कार्याधिकारी की तहरीर पर पुलिस ने फंडिंग करने वाले आठ बिल्डरों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केडीए की प्रवर्तन टीम ने पिछले महीने इन बिल्डरों के अवैध निर्माणों को पुलिस की उपस्थिति में सील किया था, लेकिन इन परिसरों में से 08 परिसरों की सील तोड़ दी गयी थी और इनमें फिर से

●केडीए की सील के बावजूद बिल्डिंगों में चल रहा था निर्माण कार्य

निर्माण कार्य चल रहा था। इसके आरोप में केडीए ने संबंधित थाने में बिल्डरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करवाई। केडीए को विगत कई सप्ताह से कानपुर शहर के सभी क्षेत्रों में अवैध प्लांटिंग/अवैध निर्माण के विरुद्ध उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत नियमानुसार सीलिंग अथवा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कर रहा है।

कानपुर हिंसा के मुख्य आरोपित जाफर हयात हाशमी के कई बिल्डरों से

संबंध और फंडिंग उपलब्ध कराने के तथ्य सामने आए हैं। इसके बाद पुलिस इसी तरह थाना बेकनगंज परिसर संख्या -95/95, विश्वनाथ खत्री का हाता परेड, कानपुर नगर पर सलीम उर्फ जानी वाकर द्वारा बिना स्वीकृत कराये निर्माण कार्य किया जा रहा था। इसे अस्पताल के सामने थाना चकेरी बाजिदपुर जाजमऊ, कानपुर नगर पर हाजी बसी एवं शबी और अन्य के द्वारा 150 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में भूतल पर स्लैब डालकर बिना मानचित्र स्वीकृत

कराये दुकानों का निर्माण कराया जा रहा था, जिसे प्राधिकरण ने सील किया।

इसी तरह थाना बेकनगंज परिसर संख्या -95/95, विश्वनाथ खत्री का हाता परेड, कानपुर नगर पर सलीम उर्फ जानी वाकर द्वारा बिना स्वीकृत कराये निर्माण कार्य किया जा रहा था। इसे अस्पताल के सामने थाना चकेरी बाजिदपुर जाजमऊ, कानपुर नगर पर हाजी बसी एवं शबी और अन्य के द्वारा 150 वर्ग मीटर क्षेत्रफल बिना मानचित्र पर स्लैब डालकर बिना मानचित्र स्वीकृत

रहा था। इसे सील किया गया। सील करने के बाद इन परिसरों पर इस आशय का पोस्टर भी लगवाया गया है।

केडीए के विशेष कार्याधिकारी ने तहरीर में बताया कि भवनों में अवैधानिक रूप से परिसर स्वामियों द्वारा निर्माण कराया जा रहा था। इस संबंध में केडीए ने 07 जून 2022 को इनके विरुद्ध आईपीसी के तहत एफआईआर किये जाने के लिए संबंधित थानाध्यक्ष को पत्र भेजा था। पुलिस आयुक्त विजय सिंह मीणा के आदेश पर केडीए के विशेष कार्याधिकारी की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गयी।

प्रदर्शन कर रहे नेता व कार्यकर्ता पुलिस हिरासत में

नयी दिल्ली : कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेशी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को सोमवार को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, कैसी वेणुगोपाल को पुलिस ने हिरासत में लेकर उन्हें तुगलक रोड थाने ले गई। वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस नेता रजनी पाटिल, अखिलेश प्रसाद सिंह, एल हनुमतेया, को भी दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है।

हिरासत में लिए गये नेताओं से मिली प्रियंका

नयी दिल्ली : कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सत्याग्रह मार्च के दौरान हिरासत में लिए गए कांग्रेस नेताओं से सोमवार दोपहर तुगलक रोड पुलिस स्टेशन पहुंचकर मुलाक़ात की। इस दौरान उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं से बातचीत कर हालचाल जाना। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से ईडी अपने दफ्तर में पूछाछ कर रही है। ईडी के इस कदम को लेकर कांग्रेस पूरे देश में विरोध प्रदर्शन कर रही है। इसी क्रम में दिल्ली में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता भी प्रदर्शन कर रहे थे। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में ले लिया। कांग्रेस का आरोप है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता कैसी वेणुगोपाल के साथ पुलिस ने अभद्र व्यवहार किया। जिसके तुरंत बाद प्रियंका उनसे मिलने तुगलक रोड बाने पहुंची।



विरोध जारी रखेंगे : खड़गे

नयी दिल्ली : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार कांग्रेस को झुकाना चाहती है लेकिन पार्टी नहीं झुकेंगी। खड़गे ने सोमवार को राहुल गांधी की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेशी को लेकर केन्द्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार कांग्रेस के लोगों को परेशान कर रही है। कांग्रेस के लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से पैदल चलने से भी रोका जा रहा है। लेकिन कांग्रेस के लोग लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध जारी रखेंगे।

ईडी पर दबाव बनाने का प्रयास : स्मृति ईरानी

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सोमवार को कहा कि एक जांच एजेंसी पर खुलेआम दबाव बनाने के लिए कांग्रेस नेता सड़कों पर उतर आए हैं क्योंकि उनके भ्रष्टाचार का पदाफाशि हो चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुलेआम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर दबाव डालने की कोशिश कर रही है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए ईरानी ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो जमानत पर बाहर हैं उन्होंने घोषणा की है कि आओ दिल्ली को घेरें, क्योंकि हमारा भ्रष्टाचार पकड़ा गया है। एक जांच एजेंसी पर दबाव डालने के लिए कांग्रेस शासित वरिष्ठ नेताओं को विशेष आमंत्रित किया गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस : 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गये मंत्री सत्येन्द्र जैन

नयी दिल्ली : दिल्ली के राज्ज एक्वेन्यू कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी नेता और दिल्ली के मंत्री सत्येन्द्र जैन को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कोर्ट जैन की जमानत याचिका पर 14 जून को सुनवाई करेगा।

आज सुनवाई के दौरान जैन की मेडिकल रिपोर्ट पेश की गई। ईडी ने कहा कि जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए उसे समय दिया जाए जिससे जवाब दाखिल किया जा सके। ईडी ने कहा कि 14 जून को वह अपना जवाब दाखिल कर देंगे। जैन के वकील एन हरिहरन ने जमानत याचिका पर स्वास्थ्य कारणों की वजह से जल्द सुनवाई की मांग की। हिरासत अवाधि ख़त्म होने के आखिरी दिन ईडी ने जैन



को कोर्ट में पेश किया। 9 जून को कोर्ट ने जैन को ईडी की हिरासत में भेजा था। जैन से पहले 31 मई को कोर्ट ने जैन को 9 जून तक की ईडी हिरासत में भेजा था। जैन को 30 मई को गिरफ्तार किया गया था।

जैन की पेशी के दौरान ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि कैश दिल्ली में दिया गया। ये कैश कोलकाता में हवाला के जरिये एंटी आपरेटर्स तक पहुंची। ये एंटी आपरेटर्स कंपनियों में शेयर खरीद कर निवेश करते थे। ये फर्जी कंपनियां थीं। इन

यूपी में हुए बवाल में अब तक 325 उपद्रवी गिरफ्तार

लखनऊ : पैगम्बर मोहम्मद पर भाजपा की निर्लांबित नेता नूपुर शर्मा की टिप्पणी के विरोध में जुमे की नमाज के बाद शुक्रवार को उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। इस दौरान उत्तर प्रदेश के आठ जिलों में बवाल और आगजनी की घटना हुई। अब योगी सरकार उपद्रवियों पर कठोर कार्रवाई कर रही है। सोमवार सुबह तक 325 उपद्रवी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उपद्रवियों के खिलाफ जारी कार्रवाई के मद्देनजर ये आंकड़े बढ़ सकते हैं।

अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रदेश में बवाल करने वालों के चिह्नित कर गिरफ्तारी की जा रही है। पत्थरबाजों पर पुलिस की कार्रवाई तीव्रते दिन यानी की आज भी जारी

● सीसीटीवी फुटेज, वायरल वीडियो के आधार पर हो रही गिरफ्तारी

है। सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह तक प्रयागराज में 92, सहारनपुर में 80, हाथरस में 51, मुरादाबाद में 35, अंबेडकरनगर में 41, फिरोजाबाद में 16, अलीगढ़ में छह और जालौन में चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस सिलसिले में नौ जैनपदों में 13 मुकदमों भी दर्ज किए गए हैं। एडीओ ने बताया कि इस बवाल में घायल 13 पुलिसकर्मियों का इलाज चल रहा है। पूरे राज्य में स्थिति सामान्य है। बवाल वाले जिलों में सतर्कता बरती जा रही है।

28वां सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

मौजूदा समय में युद्ध और शांति के बीच की सीमा काफी धुंधली हुई : रक्षा मंत्री

छोटे मन का इंसान कभी कुछ बड़ा नहीं कर सकता

- भारत ने न किसी देश पर हमला किया है और न ही किसी देश की एक इंच भूमि पर कब्जा किया**
- राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा में अब सैन्य हमले के बजाय कई अनेक गैर-सैन्य आयाम भी जुड़ गये**



स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रॉंची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गृढ़आ मौजा, प्लॉट नं.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रॉंची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रॉंची) मुख्य कार्यकारी अधिकारी : पंकज मिश्र, संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्र नाथ पाण्डेय* (पीआरबी एन्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshrranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)

